25/-₹

स्वतन्त्रता दिवस विशेषांक

हिन्दी साप्ताहिक

विश्वकर्मा किरण

वर्ष-20 अंक-31/32 जौनपुर 21-28 अगस्त, 2019 http://www.vishwakarmakiran.com

स्वतन्त्रता की 73वीं वर्षगांठ पर

कश्मीर से कन्याकुमारी तक

लहराया तिरंगा

एक भारत-श्रेष्ठ भारत

https://www.facebook.com/VishKiranNews/ https://twitter.com/VishKiranNews https://www.linkedin.com/in/vishkirannews/

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राधेश्याम विश्वकर्मा
पुलिस अधीक्षक
रूल्स एवं मैनुअल्स, लखनऊ

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आर0के0 विश्वकर्मा
अपर आयकर आयुक्त
लखनऊ परिक्षेत्र-1, लखनऊ

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

टी0डी0 शर्मा
प्रभागीय निदेशक
सामाजिक वानिकी वन प्रभाग
जनपद-रायबरेली

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

देवेश कुमार शर्मा
अपर पुलिस अधीक्षक, प्रोटोकाल
लखनऊ

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अशोक कुमार
अपर पुलिस अधीक्षक
जनपद-बाराबंकी

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

नवीन विश्वकर्मा
अधिशाषी अभियन्ता
उ0प्र0 पावर कार्पोरेशन लि0, लखनऊ
मो0: 7571850335

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रमेश चन्द विश्वकर्मा
निजी सचिव
उ0प्र0 सचिवालय, लखनऊ
मो0: 9454410187

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राम नरेश शर्मा
निजी सचिव
उ0प्र0 सचिवालय, लखनऊ
मो0: 9454410326

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

धर्मेन्द्र विश्वकर्मा
वरिष्ठ निरीक्षक
विधिक माप विज्ञान (बाट-माप)
लहुराबीर, वाराणसी
मो0: 9453548657

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राम प्रकाश विश्वकर्मा
खादी ग्रामोद्योग
राज्य कार्यालय, फैजाबाद रोड, लखनऊ
मो0: 9415580690

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डा0 रश्मि शर्मा
ज्वाइंट सेक्रेटरी

शशिकान्त शर्मा
प्रबन्धक/चेयरमैन
मो0- 9415034751

न्यू स्टैण्डर्ड ग्रुप ऑफ इन्स्टीच्यूट
रायबरेली, उ0प्र0

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डा0 प्रवेश विश्वकर्मा
MBBS, MD, DM, FESC, FSCAI, FAPSIC
एसोसिएट प्रोफेसर
डिपार्टमेन्ट आफ कार्डियोलाजी
किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ
मो0: 8756104004

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डा0 राम सहाय विश्वकर्मा
सीनियर प्रोफेसर एण्ड
हेड आफ मेडिसिन डिपार्टमेन्ट
गवर्नमेन्ट नेशनल होम्योपैथिक
मेडिकल कालेज, लखनऊ
मो0: 8127326644

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राकेश विश्वकर्मा
प्रबन्धक
न्यू विज्डम वे प्रोग्रेसिव इण्टर कालेज
चक मल्हौर, लखनऊ
मो0: 9415109193

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अखिलेश मोहन
प्रदेश अध्यक्ष
भारतीय स्टेट बैंक कर्मचारी यूनियन
मो0: 9415015551

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राम विलाश विश्वकर्मा
मण्डलीय अभियन्ता
भारत संचार निगम लि0, लखनऊ
मो0: 9415055077

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीलाल विश्वकर्मा
सहायक अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग, लखनऊ
मो0: 9450638326

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अच्छेलाल विश्वकर्मा
डिप्टी कमिश्नर
वाणिज्य कर विभाग
जनपद-पीलीभीत
मो0: 9450309738

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शशिकान्त विश्वकर्मा
कान्सटेबल उ0प्र0 पुलिस
थाना-निजामाबाद, आजमगढ़
मो0: 7310000150

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

इन्द्रजीत विश्वकर्मा

अपर निदेशक
कोषागार एवं पेंशन
लखनऊ मण्डल, लखनऊ

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

वेद प्रकाश शर्मा

आर0पी0एफ0, दिल्ली
मो0: 8010111854, 7982199076

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रभुनाथ विश्वकर्मा

उद्यमी एवं समाजसेवी
श्री श्याम ट्रेडिंग कम्पनी
मालवीय रोड, देवरिया
मो0: 9696949400

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रेमधनी विश्वकर्मा

निदेशक
रिच इण्टरनेशनल म्यूजिक कम्पनी
मुम्बई
मो0: 9323004818

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

विद्यानन्द विश्वकर्मा

प्रोप्राइटर
जे0पी0 एग्रो इण्डस्ट्रीज
वाराणसी
मो0: 9935275316

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मुकेश विश्वकर्मा

निजी सचिव
उत्तर प्रदेश सचिवालय
लखनऊ
मो0: 9454410066

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अरविन्द विश्वकर्मा

वरिष्ठ विपणन निरीक्षक
खाद्य एवं रसद विभाग
जनपद- अमेठी
मो0: 9415065203, 8004173471

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश्वरी विश्वकर्मा

अनुभाग अधिकारी
उत्तर प्रदेश सचिवालय
लखनऊ
मो0: 9415366707

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सुभाष चन्द्र शर्मा

उ0प्र0 पावर कार्पोरेशन
जनपद-लखनऊ
मो0: 9450309738

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अमरनाथ विश्वकर्मा

इन्सपेक्टर, उ0प्र0 पुलिस
मो0: 9451378282

R.N.I. No.- UPHIN/2000/01157
विश्वकर्मा किरण
हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका

वर्ष-20 अंक-31/32
जौनपुर, 21-28 अगस्त, 2019
पृष्ठः 32 मूल्यः 25/- रूपया

प्रेरक
रघबीर सिंह जांगड़ा
मो0: 9416332222
*****
सम्पादक
कमलेश प्रताप विश्वकर्मा
मो0: 9454619328
*****
सह सम्पादक
विजय कुमार विश्वकर्मा
मो0: 8763834009
*****
सह सम्पादक
धीरज विश्वकर्मा
मो0: 9795164872
*****
समन्वय सम्पादक
शिवलाल सुथार
मो0: 8424846141
*****
मुम्बई ब्यूरो
इन्द्रकुमार विश्वकर्मा
मो0: 9892932429
*****
जौनपुर ब्यूरो
संजय विश्वकर्मा
मो0: 9415273179

-:सम्पर्क एवं प्रसार कार्यालयः-
डिजिटल प्वाइंट, कैपिटल बिल्डिंग
(भाजपा कार्यालय के सामने)
त्रिलोकनाथ रोड, हजरतगंज
लखनऊ। 226001

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कमलेश प्रताप विश्वकर्मा द्वारा अजन्ता प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, अहमद काम्प्लेक्स, गुईन रोड, अमीनाबाद, लखनऊ से मुद्रित एवं 98, नारायण निवास, नखास, सदर, जौनपुर से प्रकाशित।
सम्पादक- कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

website: www.vishwakarmakiran.com
E-mail: news@vishwakarmakiran.com

-:मुख्य संरक्षकः-
विश्वकर्मा जागरूकता मिशन

सम्पादकीय...

कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

एक दूसरे पर दोषारोपण का शिकार है विश्वकर्मा समाज

कहने को तो विश्वकर्मा समाज के हजारों संगठन, हजारों राष्ट्रीय अध्यक्ष और राजनीतिक पार्टियों को वोट दिलाने वाले ठेकेदार हैं। मंचों पर बड़े-बड़े भाषण देना और स्वयं को सबसे बड़ा हितैषी साबित करने की होड़ लगी रहती है। सभी बात करते हैं कि हम समाज को एक कर रहे हैं, परन्तु बात जब समाज के लोगों पर हो रहे उत्पीड़न और अत्याचार के विरूद्ध लड़ाई की आती है तो ज्यादातर लोग सोशल मीडिया को ढाल बनाकर अपनी खानापूर्ति कर लेते हैं। इतना ही नहीं, सबसे बड़ा सवाल होता है कि कहां गये फलां????? समाज के ही एक दूसरे नेताओं और अन्य सामाजिक लोगों पर कीचड़ उछालना प्रथा बनती जा रही है जो बेहद शर्मनाक है। अपने कर्तव्यों को कोई दोष नहीं देता। स्वयं क्या किया है या क्या कर रहा है इसका कोई हिसाब नहीं।

ताजा उदाहरण सहारनपुर की घटना का है, जहां विश्वकर्मा समाज के दो युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना बहुत ही दुःखद है। घटना के और भी दुःखद होने का पहलू यह कि दोनों युवकों की हत्या के बाद कुल का चिराग कोई नहीं। अब बात आती है घटना से पनपे आक्रोश और विश्वकर्मा समाज के नेताओं की भूमिका के बारे में। घटना के बाद से ही लोगों की पोस्ट-दर-पोस्ट से सोशल मीडिया कराह रहा है। लोग अपने-अपने बुद्धि-विवेक से टिप्पणी भी कर रहे हैं। साथ ही राजनीतिक पार्टी से जुड़े लोग दूसरी पार्टी के नेताओं का नाड़ा खोलने में भी जरा सा नहीं हिचक रहे हैं। यहां तक कि ढाई साल पहले तक जो लोग विश्वकर्मा समाज पर हो रहे अत्याचार के बावत बौने बने रहते थे वह आज सोशल मीडिया पर करंट मार रहे हैं। सत्तापक्ष से जुड़े लोग तो हमेशा असहज स्थिति में होते हैं। चाहे बसपा की सरकार रही हो या सपा की या फिर आज भाजपा की सरकार है। सभी पार्टियों में विश्वकर्मा समाज से जुड़े लोग हैं। यह सच है कि जो लोग सत्तापक्ष से जुड़े होते हैं वह चाहकर भी विरोध नहीं कर पाते परन्तु जो विपक्ष में होते है उनके बांह तो खुले ही होते हैं।

मुझे याद है बसपा सरकार में सीतापुर, फतेहपुर और शाहजहांपुर की घटना, मुझे याद है सपा सरकार में ज्योति और उन्नति हत्याकाण्ड। मुझे सपा सरकार के दौरान बनारस की वह घटना भी याद है जब एक दरोगा ने विश्वकर्मा समाज के युवक की पीटकर हत्या कर दी थी। बहुत बवाल हुआ, परन्तु समाज के ही सत्तापक्ष के एक बड़े नेता ने पोस्टमार्टम के बाद युवक का शव तक घर नहीं लाने दिया और पुलिस पर दबाव बनाकर शहर में ही दाह संस्कार करवा दिया। मुझे वर्तमान भाजपा सरकार में भी विश्वकर्मा समाज के ऊपर हो रहे अत्याचार दिख रहे हैं। मुझे तो सब याद है। कौन कितना सही, कितना गलत है वह भी याद है और दिख भी रहा है। यदि किसी को याद नहीं, किसी को दिख नहीं रहा तो वह हैं सत्ता के लालची बेशर्म नेता। अपनी नेतागिरी चमकाने के लिये अपने ही लोगों की बुराई करना, टांग पकड़कर खीचना इनकी सर्वश्रेष्ठ कला का प्रदर्शन है। यदि मैं किसी नेता से यह पूंछ लूं कि किसी सामाजिक नेता की क्या गलती है????? शायद कोई कुछ नहीं बता पायेगा सिवाय इसके कि वह अमुक राजनीतिक दल में हैं। ऐसा भी नहीं कि समाज के नेताओं को कुछ दिखता नहीं या समाज के प्रति उनके अन्दर पीड़ा नहीं। सभी के अन्दर समाज की पीड़ा है और सभी भरसक समाजहित में प्रयास करते हैं, वह किसी भी पार्टी के हों। बस उनकी मजबूरी होती है उनकी अपनी राजनीतिक पार्टी। यदि उनकी पार्टी की सरकार है तो वह खुलकर बोल नहीं पाते।

मेरा समाज के सभी नेताओं और सामाजिक लोगों से विनम्र अनुरोध है कि अपने ही लोगों पर राजनीतिक विद्वेष में कीचड़ उछालना बन्द करिये और समाजहित में आपसी संवाद स्थापित करते हुये आगे बढ़ने का प्रयास करिये।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक लहराया तिरंगा

नई दिल्ली। भारत के 73वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न देश में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई हिस्सों में मनाया गया। जहां-जहां भारतीय बसे हैं, लद्दाख से लेकर कन्याकुमारी तक और गुजरात से लेकर अरुणांचल प्रदेश तक लोगों ने तिरंगा लहराया। देश के छोटे-छोटे गांवों एवं कस्बों भी इससे अछूते नहीं रहे। लोगों ने कहीं तिरंगा लहराया तो कहीं तीन रंगों में बनी मोहर रंगोली ने छटा बिखेरी। जम्मू कश्मीर से अलग हुए लद्दाख में लोगों ने सड़क पर उतर का आजादी का जश्न मनाया। यह अखण्ड भारत का पहला स्वतन्त्रता दिवस था।

आईटी सिटी कहे जाने वाले बेंगलुरू में आजादी का जश्न जोर-शोर से मनाया गया। बेंगलुरू के एनडी ओलिवा सोसाइटी में लोगों ने उत्साह के साथ आजादी का पर्व मनाया, क्या बच्चे और क्या जवान सभी ने जश्न-ए-आजादी में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया, सभी का उत्साह देखते ही बनता था। वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर में आजादी का जश्न उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। बड़े-बूढे से लेकर छोटे-छोटे बच्चों ने इस राष्ट्रीय पर्व में हिस्सा लिया। दिल्ली के सटे ग्रेटर नोएडा के अलग-अलग सोसाइटी में लोगों ने उत्साह और गर्मजोशी के साथ इस पावन पर्व को मनाकर देशभक्ति दिखाई।

ग्रेटर नोएडा के गौड़ सिटी 12 एवेन्यू में सोसाइटी निवासियों ने धूमधाम से इस राष्ट्रीय पर्व को मनाया। ध्वजारोहण के बाद सोसाइटी के बच्चों ने देशभक्ति के अलग-अलग रंग दिखाएं। आजादी के इस त्योहार को सभी धर्मों के लोगों ने मिलजुल कर न केवल मनाया बल्कि पर्यावरण के रक्षा के लिए एक कदम आगे बढ़कर प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने की बात कही। पर्यावरण रक्षा को देशभक्ति से जोड़कर लोगों को 'नो प्लास्टिक' का संदेश दिया गया। बच्चों ने गीत के जरिए लोगों को पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया।

अनुच्छेद 370 के प्रावधानों के हटने के बाद लद्दाख का यह पहला स्वतंत्रता दिवस है। इस मौके पर सूबे के विभिन्न इलाकों में लोगों ने अपने-अपने अंदाज में इसका स्वागत किया। इसमें भी सबसे खास लद्दाख के सांसद जामयांग सेरिंग नामग्याल का नृत्य रहा। नामग्याल ने लेह में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर वाद्य यंत्रों पर भी हाथ आजमाया। इस मौके पर लद्दाख के लोग बेहद प्रसन्न नजर आ रहे थे।

लद्दाख की ही तरह जम्मू एवं कश्मीर का भी यह धारा 370 हटने का बाद स्वतंत्रता दिवस है। जहां जम्मू में लोगों ने सड़कों पर निकल आजादी का शानदार जश्न मनाया तो वहीं कश्मीर में भी सरकारी संस्थानों में लोगों ने तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता दिवस मनाया। उधर

जम्मू कश्मीर से 370 और 35ए हटने के बाद भारत का यह पहला स्वतन्त्रता दिवस समारोह था। इस समारोह को लोगों ने यादगार बनाने की भरपूर कोशिश की।

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश के बीच स्वीट एक्सचेंज का कार्यक्रम हुआ। हालांकि इस बार भारत पाकिस्तान बॉर्डर पर दोनों देशों के बीच मिठाईयों को आदान-प्रदान नहीं हुआ।

श्रीनगर में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार(एनएसए) अजीत डोभाल और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस पर कार्यक्रम में दिखे। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लेह में भारत-तिब्बत पुलिस(आईटीबीपी) के जवानों ने सिक्किम में ओपी दोरजिला पोस्ट पर 18,800 फीट की ऊंचाई पर तिरंगा फहराया गया। देश में स्वतंत्रता दिवस के साथ ही रक्षाबंधन का त्यौहार भी त्योहार मनाया गया। इस मौके पर पंजाब के अटारी-वाघा सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को बहनों ने राखी बांधी।

इसके अलावा अमेरिका, ब्रिटेन, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, यूएई समेत कई देशों में भारतीय दूतावास में तिरंगा फहराकर आजादी का जश्न मनाया गया। हैदराबाद में सांसद औवेसी ने मदीना चौक पर तिरंगा फहराकर आजादी का जश्न मनाया। वहीं बाढ़ प्रभावित राज्य केरल, कर्नाटक, तमिनाडु में तिरंगा फहराकर जश्न मनाया गया।

आजादी के जश्न की कुछ झलकियां

न्यू स्टैण्डर्ड बालिका विद्या मन्दिर रायबरेली में मनाया गया स्वतन्त्रता दिवस व रक्षाबन्धन पर्व

रायबरेली। न्यू स्टैण्डर्ड बालिका विद्या मन्दिर रायबरेली में 73वां स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबन्धन का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष इन्द्रेश विक्रम सिंह, विद्यालय के प्रबन्धक डॉ0 शशिकान्त शर्मा, संयुक्त प्रबन्धिका डॉ0 रश्मि शर्मा और प्रधानाचार्य तारकेश्वर सिंह ने राष्ट्र की आन-बान-शान तिरंगा फहराया। बच्चों द्वारा लगाये गये भारत माता और राष्ट्र भक्त बलिदानी महापुरूषों के जयघोष से विद्यालय प्रागंण गूंज उठा। इसी क्रम में विद्यालय के बच्चों द्वारा तैयार की गयी भारत माता की झांकी विशेष आकर्षण का केन्द्र रही।

आजादी के इस पावन दिवस पर विद्यालय में बच्चों ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किये। उनके द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों ने लोगों का मन मुग्ध कर लिया। 15 अगस्त को ही हमारे देश का धार्मिक पर्व रक्षाबन्धन भी था, जिसे विद्यालय ने धूमधाम से मनाया। बच्चियों ने सैनिक का रूप धारण किये बच्चों की कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधकर उन्हें मिठाईयां खिलायीं।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक एस0एल0 तिवारी ने देश भक्ति के भाव से पूरित गीत सुनाकर सबका मन मुग्ध कर लिया।

कार्यक्रम के अन्त में संस्था के अध्यक्ष ने बच्चों से कहा कि 15 अगस्त देश के उन वीरों की याद दिलाता है जिन्होनें देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में रायबरेली जनपद का भी विशेष योगदान रहा है। देश की स्वतन्त्रता के लिए अपना सब कुछ बलिदान करने वालों में कुछ ज्ञात और कुछ अज्ञात नाम हैं जिन्हें इतिहास के पन्नों में नहीं देखा जा सकता है। ऐसे वे सभी देशप्रेमी स्मर्णीय हैं। आज का दिन उनके भारत को हमेशा अखण्ड रखते हुए देश की रक्षा के लिए संकल्प का दिन है। प्रबन्धक/संस्थापक के साथ हअी अन्य लोगों ने भी विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर विद्यालय की हेड मिस्ट्रेस सन्ध्या अग्रवाल, को-आर्डिनेटर आर0एन0 सिंह, संतोष श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं, समस्त कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा समाज ने धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

भिलाई। सामुदायिक भवन जवाहर नगर में श्री विश्वकर्मा समाज कल्याण केन्द्र, भिलाई के द्वारा स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दो बार राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त एवं कारगिल युद्ध में शामिल सेना के रिटायर्ड मेजर वीर सिंह पवार एवं विशेष अतिथि सुबास शर्मा (अध्यक्ष) रहे। अतिथिद्वय द्वारा संयुक्त रूप से भारतमाता के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगीत, भारत माता की जय, वन्देमारम एवं जय हिंद का नारा लगाकर देश के वीर जवानों को सलामी दी गई।

इस दौरान मेजर एवं टी0एन0 शर्मा ने कविता के माध्यम से लोगों में जोश भरा। आयोजित समारोह में समाज के युवा एवं वरिष्ठजनों ने देश एवं समाज के प्रति अपने विचार रखें। संस्था के

महासचिव प्रवीण चन्द्र शर्मा ने उपस्थित लोगों का आभार प्रदर्शन किया।

इस कार्यक्रम में सर्वश्री हरिराम शर्मा, सुशील शर्मा, कुलदीप पंचाल, नन्दकिशोर शर्मा, आई0डी0 शर्मा, जयराम शर्मा, पारस शर्मा, कान्तिलाल विश्वकर्मा, उमेश विश्वकर्मा, उपेंद्र विश्वकर्मा, दरोगा शर्मा, विजय विश्वकर्मा, रामकुमार शर्मा, सुभाष पांचाल, मनोज शर्मा, अशोक शर्मा, बिजय शर्मा, भरत विश्वकर्मा, बिरेंद्र शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, त्रिभुवन शर्मा, बैकुंठ शर्मा, अंकित शर्मा, बसन्त शर्मा, अरविन्द शर्मा, मोहन शर्मा, अशोक विश्वकर्मा, अरूण विश्वकर्मा, अनूप शर्मा, सागर शर्मा, राकेश शर्मा, जयनारायण शर्मा, विजयशंकर शर्मा, मुकेश शर्मा, पंकज शर्मा, अभिषेक शर्मा एवं नन्हें बच्चों सहित बड़ी संख्या में समाजिक बन्धु स्वतन्त्रता दिवस समारोह में सम्मिलित हुये।

रांची। विश्वकर्मा युवा मंच के तत्वावधान में 73 वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर विश्वकर्मा सेवा भवन जय प्रकाश नगर, कुम्हार टोली, रांची मे हर वर्ष कि तरह इस वर्ष भी झंडोत्तोलन का कार्यक्रम किया गया। झंडोत्तोलन विश्वकर्मा समाज के बुजुर्ग समाजसेवी अर्जुन शर्मा ने किया। इसकी अध्यक्षता युवा मंच के अध्यक्ष विक्रान्त विश्वकर्मा ने किया। संचालन महासचिव राकेश कुमार शर्मा ने किया। कार्यक्रम में महेश विश्वकर्मा, जगदेव विश्वकर्मा, अवधेश कुमार, उदय कुमार, रमेश शर्मा, कमलेश्वर मिस्त्री, जय प्रकाश शर्मा, मनोज कुमार शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

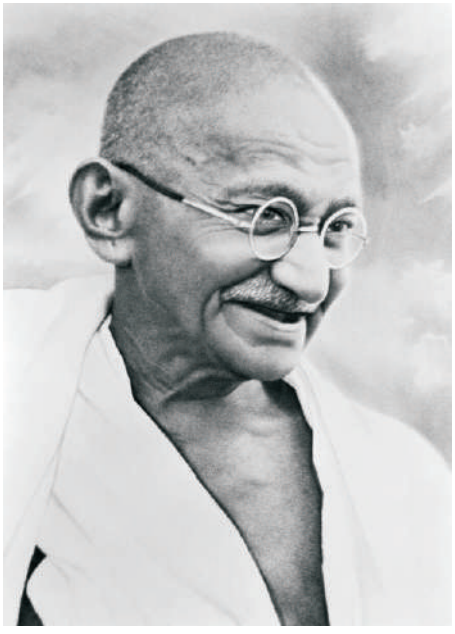

गाँधीजी का स्वदेशी कार्य

सत्यनारायण

छात्र-बी0ए0 (राजनीति विज्ञान सम्मान)

बनारसी लाल सर्राफ वाणिज्य महाविद्यालय, नौगछिया

तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर

मो0: 8877211531, 6202576559

E-mail:satyamaryan0385@gmail.com

भारत के स्वाधीन होने पर गाँधी के स्वप्न पर पानी फिरा कि भारत में भी बड़े-बड़े मशीनी उद्योग केंद्र स्थापित हुऐ जिससे देश के तमाम हस्त उद्योग, कुटीर उद्योग लुप्त होते चले गए। बुनकर, लोहार, बढ़ई, चर्मकार, ठठेरा, कुम्भकार सबके उद्योग नष्ट होते गए और शहर से लेकर गांव तक देशी-विदेशी कम्पनियों से उत्पादित माल होते गए।

स्वदेशी हमारे राष्ट्रीय स्वतंत्रा संग्राम का मूलमंत्र था। 1905 क्टा बंगभंग विरोधी आन्दोलन भी स्वदेशी की भावना से ओत प्रोत था। जब बंगाल में विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई और उसके बहिष्कार पर बल दिया गया, इस स्वदेशी भाव को राष्ट्रीय स्टार पर बहुयामी स्वरूप प्रदान किया गया। महात्मा गाँधी ने 1920 ई0 में असहयोग आन्दोलन आरंभ करके उन्होंने न केवल विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार तथा उनके अग्नि दाह तक सिमित रखा, बल्कि उद्योग शिल्प भाषा, शिक्षा, भेष-भूषा अदि पर स्वदेशी का रंग डाल दिया। यूरोप में मशीनी क्रांति ने यूरोप को चमत्कारित किया।

भारत के स्वदेशी समर्थक मानते थे कि इंग्लैंड और यूरोप के मिलों की निर्मित वस्तुएं भारत में विक्रय होती हैं जिस कारण हमारा धन विदेश चला जाता है। अपने भारत के धन को अपने ही देश में सुरक्षित रखने के लिए उन मीलों को भारत में स्थापित किया जाय। लेकिन गाँधी जी इन समर्थकों की सोच को बदलते हुए कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति के लिए विदेशी मीलों को लेन के बजाय अपने देश के पारम्परिक उद्योग शिल्प को अपनाना एवं बढ़ावा देना चाहिए। गाँधीजी इन मीलों को सिर्फ भारत के लिए नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व के लिए अनिष्टकारी समझ रहे थे। गाँधीजी भारत में मशीनों का जाल बिछाने के विरोधी थे। गाँधीजी सूत उत्पादन के लिए चरखे जैसे उपकरण को अपनाने का आग्रह करते थे। गाँधीजी ने असहयोग आन्दोलन के दौरान लिखे अपने लेख में कहा है कि भारत ने चरखा खो कर अपना फेफड़ा खो दिया। इस खोये हुए फेफड़ा को गाँधीजी 1915 ई0 में दक्षिण अफ्रीका से भारत आने पर पुनः प्रतिष्ठित करने के लिये जी जान लगा दिये। 1917 ई0 में साबरमती आश्रम में कठियावारी महिला गंगा बेन के सौजन्य से उन्होंने चरखे का निर्माण कराया और 1930 ई0 तक भारत के ग्रामीण इलाके से लेकर शहरी इलाके तक में चरखे का जाल बिछा दिया। जिस कारण इंग्लैंड से कपड़ा आना बंद हो गया।

गाँधीजी बाद में मशीन के पक्ष में आये और इन मशीनों को समाज या राज्य के नियंत्रण में रखने के पक्ष में रहे। गाँधीजी मानते थे कि हाथ और पैर से करने वाले कार्य को मशीन से हरगिज नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे बेरोजगारी में वृद्धि हो जायेगी। भारत के स्वाधीन होने पर गाँधी के स्वप्न पर पानी फिरा कि भारत में भी बड़े-बड़े मशीनी उद्योग केंद्र स्थापित हुऐ जिससे देश के तमाम हस्त उद्योग, कुटीर उद्योग लुप्त होते चले गए। बुनकर, लोहार, बढ़ई, चर्मकार, ठठेरा, कुम्भकार सबके उद्योग नष्ट होते गए और शहर से लेकर गांव तक देशी-विदेशी कम्पनियों से उत्पादित माल होते गए। भूमण्डलीकरण ने इसमें तीव्रता ला दी और आज हमारा देश इलेट्रोनिक सामान से लेकर खिलौने तक विदेशी समान से पटता जा रहा है। वर्तमान समय में संत राजनेता गाँधीजी के स्वप्न के विपरीत मशीनीकरण पर बल दे रहे जिस कारण यहाँ बेरोजगारी दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

पाकिस्तान के मंसूबों को ध्वस्त कर चुके हैं रतन सिंह विश्वकर्मा

मुजफ्फरनगर। भारत की सीमाओं पर कई बार छिड़ चुकी जंग के बाद भी आज हम सुरक्षित हैं, क्योंकि सीमाओं पर तैनात फौजी अपनी जांबाजी से दुश्मनों को मुंह की खिलाने में सक्षम रहे हैं। कई युद्ध को नजदीक से देखकर दुश्मनों के आक्रमणों को झेलने वाले जांबाज सैनिक कोई और नहीं, बल्कि हमारे बीच से ही सीमाओं पर दुश्मनों से लोहा लेकर उनके मंसूबों को ध्वस्त कर चुके हैं। ऐसे ही जांबाज फौजी रतन सिंह विश्वकर्मा (पांचाल) के कार्यों और उनके संघर्ष से हम आपको रूबरू करा रहे हैं।

शहर के सिविल लाइन स्थित जसवंतपुरी निवासी 77 वर्षीय रतन सिंह विश्वकर्मा (पांचाल) दसवीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद ही देशसेवा का जज्बा लेकर फौज में भर्ती हो गए थे। पूर्व फौजी रतन सिंह विश्वकर्मा बताते हैं कि रुड़की स्थित बैलगाम इंजीनियरिग ग्रुप सेंटर में उन्हें ट्रेनिग दी गई। इसके बाद उन्हें उस टीम में शामिल किया गया, जो सीमा पर लड़ने वाले सैनिकों की फौज को भेजने के साथ उनकी सुविधाओं के लिए महत्वपूर्ण कार्यों में भूमिका निभाती है और जरुरत पड़ने पर फौज के साथ सीमा पर युद्ध में भी डटकर दुश्मनों से लोहा लेने का काम करती है। फौजी विश्वकर्मा ने बताया कि जब 1965 में अटारी सीमा पर पाकिस्तान से युद्ध हुआ तो वे भी रेजीमेंट के साथ अमृतसर पहुंचे और अगले दिन सीमा पर मोचार्बंदी कर

दी। उस दौरान उनकी पैनी निगाहों ने दुश्मनों के मंसूबों को पकड़ लिया। वहां स्थित होगिल नहर के किनारे पाकिस्तानी फौज द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंग को पहले ही देखकर करीब दो हजार भारतीय फौजियों की जिन्दगियां सुरक्षित की गई। एंटी टैंक और एंटी पर्सनल बारूद को उखाड़कर उन्होंने अपनी बारूदी लाइन बिछाकर दुश्मनों के सामने चुनौतियां खड़ी की। 18 दिन युद्ध चलने के बाद वहां सीजफायर की घोषणा हुई। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी फौज के सामने बिना डरे रस्सी में ईंट बांधकर नहर की गहराई भी नापने का काम किया, जबकि दुश्मन सामने से गोली चलाने की धमकी देते रहें। इसके बाद फौजी रतन सिंह ने 1971 में भी पाकिस्तानी फौज के साथ मुक्तिवाहिनी सेना (सिविल वर्दी वाली सेना) में हिस्सा लेकर दुश्मनों के हौंसले पस्त करने का काम किया। नदी पर पुल बनाकर अपनी फौज को दूसरी तरफ भेजा, जिसके बाद भारत ने पाकिस्तान के हजारों सैनिक बंधक बनाए। रतन सिंह का कहना है कि फौज में नौकरी के दौरान देशहित ध्यान में रखकर ही सेवा की है, जिसके दम पर हर कार्य को पूर्ण कर भारतीय सैनिकों का हौंसला कभी टूटने नहीं दिया।

बेटे को भी बनाया फौजी–

लगभग 16 साल परिवार से दूर रहकर फौज में जिम्मेदारी निभाने वाले पूर्व फौजी रतनसिंह विश्वकर्मा ने अपने छोटे बेटे योगेन्द्र कुमार को भी फौजी बनाया। उन्होंने बताया कि उनके चार बेटे हैं। वें चाहते थे कि एक बेटा जरूर सेना में भर्ती हो। योंगेन्द्र कुमार के भर्ती होने के बाद उन्होंने बेटे का हमेशा हौंसला बढ़ाया और ईमानदारी से देश की सेवा करने की सीख दी।

Bhavya Decor
Interior's HUB
MODULAR KITCHEN & WARDROBE'S
E-mail: bhavyadecor@yahoo.com , www.bhavyadecor.com
90445 00999

सहारनपुरः पत्रकार आशीष धीमान को श्रद्धांजलि देने उमड़ा विश्वकर्मा समाज

सहारनपुर। दैनिक जागरण के पत्रकार आशीष धीमान व उनके भाई आशुतोष धीमान की रस्मपगड़ी पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिये विश्वकर्मा समाज उमड़ पड़ा। इसी महीने 18 अगस्त को आशीष के पड़ोसी शराब माफिया ने बेटों के साथ मिलकर दोनों भाइयों की हत्या कर दी थी। इस हत्या की गूंज पूरे देश में पहुंची। जगह–जगह श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जा रही है और कार्यवाही के लिये सरकार को ज्ञापन दिये जा रहे हैं।

22 अगस्त को दोनों भाइयों की रस्मपगड़ी थी। जानकारी होने पर श्रद्धांजलि देने के लिये विश्वकर्मा समाज उमड़ पड़ा। साथ ही पत्रकार व बुद्धिजीवियों का हुजूम भी श्रद्धांजलि देने पहुंचा। सहारनपुर में नुमाइश कैंप स्थित नवयुग पार्क में रस्म पगड़ी कार्यक्रम के दौरान पत्रकार आशीष और उनके भाई आशुतोष को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राजनीतिक और सामाजिक लोगों के साथ ही पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह के पौत्र इंद्रजीत जैल सिंह भी हरियाणा से श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे। रस्म पगड़ी कार्यक्रम में लोगों ने हत्याकांड की भर्त्सना की।

पुलिस प्रशासन पर मामले में ढील बरतने के आरोप लगाए गए। आरोपियों को फांसी की सजा दिलाए जाने की मांग की गई। कई नेताओं ने भाजपा सरकार का विरोध करते हुए विरोध प्रदर्शन करने की बात कही, तो किसी ने हर जिले में आंदोलन चलाने की बात कही। हालांकि संभ्रांत लोगों ने समझाया कि यह राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि श्रद्धांजलि सभा है।

इस दौरान सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा, महापौर संजीव वालिया, उत्तर प्रदेश श्रम बोर्ड के सदस्य डा0 कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा, देवबंद विधायक बृजेश सिंह, नगर विधायक संजय गर्ग, पूर्व विधायक राजीव गुंबर, विधायक मसूद अख्तर, पूर्व एमएलसी उमर अली खान, पूर्व विधायक महावीर राणा, शशीबाला पुंडीर, भाजपा नेता ठाकुर राजबीर सिंह, पूर्व विधायक इमरान मसूद, ठाकुर वीरेंद्र सिंह, पूर्व सांसद के भाई राहुल लखनपाल शर्मा, इं0 विजेश शर्मा, जयपाल पांचाल, विश्वकर्मा शंकराचार्य मुनि बाबा औघड़नाथ, नरेश प्रधान, बसपा नेता राम सिंह पांचाल, दिनेश वत्स, आदित्य धीमान, नरेश विश्वकर्मा पत्रकार, वेद प्रकाश शर्मा, अमित विश्वकर्मा, परमेन्द्र जांगड़ा, सुनील पांचाल, प्रदीप पांचाल,

आर0के0 शर्मा, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य जगदीश पांचाल, अरविन्द बालियान, बबीता धीमान, संजय धीमान, ओमपाल पांचाल, रवीन्द्र धीमान, अशोक कुमार शर्मा, बिजेन्द्र विश्वकर्मा, रामरतन धीमान, सहित सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा का संचालन आलोक तनेजा ने किया।

कई जनपदों व दूसरे प्रदेशों से भी पहुंचे लोग–

रस्म पगड़ी में राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारिक संगठनों के लोगों समेत सहारनपुर के अलावा शामली, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, दिल्ली, उत्तराखंड के लोग भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। लेकिन पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी के शामिल न होने को लेकर चर्चा रही।

पत्रकार के परिवार को मिले 50 लाख मुआवजा और नौकरी– पटेल

सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल व पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा ने मारे गए दैनिक जागरण के पत्रकार आशीष कुमार के परिवार को 50 लाख रुपये आर्थिक सहायता और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। प्रदेश सरकार ने महज पांच-पांच लाख रुपये की सहायता दी है, जो नाकाफी है। पत्रकार की रस्मपगड़ी के मौके पर समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मण्डल सहारनपुर पहुंचा था। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के नेतृत्व में पहुंचे नेताओं ने प्रशासन की लापरवाही पर जमकर भड़ास निकाली। सपा नेताओं ने अस्पताल पहुंचकर आशीष की मां से मुलाकात कर कार्यवाही का भरोसा दिया।

अभावि शिल्पकार महासभा ने आशीष धीमान के परिजनों को दी 25 हजार रूपये की मदद

सहारनपुर। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा ने सहारनपुर में मारे गये पत्रकार आशीष धीमान व आशुतोष धीमान के परिजनों को 25 हजार रुपए का सहयोग प्रदान किया है। 22 अगस्त को श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्वमन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा ने आशीष की माता उर्मिला धीमान से अस्पताल में मुलाकात की थी। उनकी स्थिति को देखते हुये श्री विश्वकर्मा ने तत्काल मदद पहुंचाने का निर्णय लिया। वहां से वापस आते ही महासभा के पदाधिकारियों के माध्यम से 25 हजार रूपया आशीष के मामा के पास भिजवाया जिससे आशीष की माता का ठीक से इलाज हो सके।

श्री विश्वकर्मा के निर्देश पर महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इं0 विजेश शर्मा, विश्वकर्मा ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष विश्वकर्मा, महासभा के प्रदेश सचिव डा0 राजपाल विश्वकर्मा ने सहारनपुर पहुंचकर आशीष के मामा को सहयोग राशि प्रदान किया। ज्ञात हो कि आशीष और आशुतोष की हत्या के बाद कोई पुरूष उनके घर में नहीं रह गया है जो उन लोगों की देखभाल कर सके। आशीष के मामा ही मौके का सहारा बने हुये हैं।

विश्वकर्मा विकास एवं सुरक्षा समिति ने जीपीओ पार्क में की श्रद्धांजलि सभा

लखनऊ। जनपद सहारनपुर में 18 अगस्त को दैनिक जागरण के पत्रकार आशीष शर्मा व उनके छोटे भाई आशुतोष शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। विश्वकर्मा विकास एवं सुरक्षा समिति उत्तर प्रदेश इकाई ने दोनों भाइयों को श्रद्धांजलि देने के लिये लखनऊ के हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा, जीपीओ पार्क में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया।

ज्ञात हो कि पत्रकार भाइयों के पिता की मृत्यु पहले ही हो चुकी है, इन दोनों भाइयों की हत्या के बाद परिवार में कोई पुरूष बचा ही नहीं। परिवार में मृतक की दादी, माता व पत्नी (गर्भवती) शेष हैं। विश्वकर्मा विकास एवं सुरक्षा समिति उत्तर प्रदेश इकाई ने मांग की है कि मृतक के परिजनों को 50-50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता, मृतक आशीष शर्मा की पत्नी को सरकारी नौकरी दी जाय तथा हत्यारोपी व लापरवाह दोषी पुलिसकर्मियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाय। श्रद्धांजलि सभा के बाद मांग सम्बन्धित ज्ञापन राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को भेजा गया। लोगों ने प्रशासन के प्रति रोष भी प्रकट किया।

श्रद्धांजलि सभा में दिनेश वत्स, दान किशोर विश्वकर्मा, कन्हैया लाल शर्मा, दीपक शर्मा, अरविन्द विश्वकर्मा, कमलेश प्रताप विश्वकर्मा, आशीष शर्मा, पवन शर्मा (पत्रकार), आलोक विश्वकर्मा, दुर्गेश शर्मा, विपिन शर्मा, अभिनव विश्वकर्मा, गोपाल राय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आशीष के परिजनों के लिये जुटाये 9 लाख 25 हजार प्रतिमाह देंगे सहारनपुर के पत्रकार

सहारनपुर के पत्रकारों ने बड़ा निर्णय लेते हुये आशीष धीमान के परिजनों को 25 हजार रूपये प्रतिमाह सहयोग करने की बात कही है। हालाकि यह निर्णय कुछ वर्षों के लिये है। जैन अतिथि गृह में सभी पत्रकार साथी एकत्रित हुए और साथी आशीष व आशुतोष को श्रद्धासुमन अर्पित किए। पत्रकार आशीष व उनके भाई आशुतोष को जिले के सभी पत्रकारो ने अपनी श्रद्धांजलि दी इसके साथ ही करीब 9 लाख रुपए व कुछ वर्ष तक हर महीने 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता पत्रकार साथी आशीष भाई के परिजनों को देने का निर्णय लिया गया। सभी पत्रकारों ने प्रशासन से मांग की पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए की सहायता एक सरकारी नौकरी व सुरक्षा दी जाए।

श्री विश्वकर्मा धीमान सेवा संघ ने दिया ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। जनपद मुजफ्फरनगर में श्री विश्वकर्मा धीमान सेवा संघ ने जनपद सहारनपुर में पत्रकार आशीष धीमान एवं उसके भाई आशुतोष धीमान की नृशंस हत्या पर कड़ी निंदा व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर को मुख्यमन्त्री को संबोधित एक ज्ञापन दिया, जिसे नगर मजिस्ट्रेट ने प्राप्त कर मुख्यमंत्री कार्यलय को अति शीघ्र भिजवाने का आश्वासन दिया।

ज्ञापन में विश्वकर्मा धीमान सेवा संघ ने हत्यारों एवं शराब माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की और पीड़ित परिवार में पत्रकार आशीष धीमान की पत्नी को सरकारी नौकरी एवं उसकी माता को परिवार पेंशन दिए जाने एवं एक करोड़ का मुआवजा दिए जाने की मांग करते हुए सहारनपुर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जिस ने पीड़ितों के घर पर इकट्ठा हुए लोगों पर लाठीचार्ज कराया सख्त कार्रवाई की मांग की है। ज्ञात हो कि हत्या वाले दिन गुस्साये समर्थकों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था जिसमें कई लोगों को चोटें आई थी।

ज्ञापन देने वालों में संघ के अध्यक्ष मास्टर निर्मल सिंह धीमान, महासचिव नरेश कुमार विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष सरदार बलविंदर सिंह, विजेंद्र धीमान कुरलकी, स0 सुलक्खन सिंह नामधारी, सेवाराम धीमान, सतीश धीमान, जनार्दन विश्वकर्मा, मुकेश धीमान गालिबपुर, भीष्म धीमान, सत प्रकाश धीमान, राधेश्याम विश्वकर्मा, मा0 रविदत्त, ओमप्रकाश धीमान, पंडित शांता प्रकाश शास्त्री, मुकेश धीमान, सुरेंद्र धीमान रहकडा, राजेश धीमान, श्यामलाल, कालूराम धीमान, अमरसिंह जेई, शिवकुमार, प्रदीप धीमान आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

...विश्लेषण

कहां है हमारी भावना?

कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

सहारनपुर में दैनिक जागरण के पत्रकार आशीष धीमान व उनके भाई आशुतोष धीमान की शराब माफिया ने गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी होने पर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश के विश्वकर्मावंशियों में आक्रोश उत्पन्न हो गया। जो जहां था वहीं से हत्यारोपियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही व परिजनों के लिये मुआवजे की मांग करने लगा। कई संगठनों ने जगह-जगह शोकसभा कर श्रद्धांजलि दी। आशीष व आशुतोष की रस्मपगड़ी के मौके पर विश्वकर्मा समाज के हजारों लोग उनके घर पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। सभी को आशीष के परिजनों के प्रति चिन्ता थी। इस चिन्ता के बीच हमारी भावना कहां है? यह बड़ा सवाल है।

रस्मपगड़ी से पहले ही सहारनपुर के पत्रकारों ने एक बड़ी मिशाल पेश किया। पत्रकारों की भावनाएं उमड़ी और अपने दिवंगत साथी के परिजनों के लिये एक ही दिन में 9 लाख रूपये जुटाये। इतना ही नहीं, कुछ वर्षों तक 25 हजार रूपया प्रतिमाह देने का भी निर्णय लिया, यह पत्रकारों की अपने साथी के प्रति उमड़ी भावना है। परन्तु विश्वकर्मा समाज के लोगों की भावना कहां हैं? इसका जवाब किसी के पास नहीं।

विश्वकर्मा समाज के लोग भी रस्मपगड़ी के अवसर पर हजारों की संख्या में जुटे, श्रद्धांजलि दी और एक-दूसरे पर दोषारोपण भी किया परन्तु पत्रकारों जैसी भावना किसी के दिल में नहीं उमड़ी। लोगों ने राजनीति करने और खुद को दिखाने का प्रयास ज्यादा किया। इस मौके पर यदि एक हजार रूपया प्रति व्यक्ति भी देता तो शायद 20 लाख रूपये से ज्यादा वहीं एकत्रित हो जाता। मुझे बड़े दु:ख के साथ लिखना पड़ रहा है कि विश्वकर्मा समाज के लोग अभी अपनों के हित में सहभागी बन पाने में बहुत पीछे हैं। विश्वकर्मा समाज के लोगों को सहारनपुर के पत्रकारों से सीख लेना चाहिये।

एक परिचय– महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी नरी राम विश्वकर्मा

पिथौरागढ़। महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी नरी राम विश्वकर्मा का जन्म 5 जुलाई 1905 में कीट राम के घर जोहार मुनस्यारी के बुर्फू गाँव मे हुआ था। नरी राम की शिक्षा तल्ला जोहार (बमोरी) में हुई। 1938 में इन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ली और बढ़ चढ़कर कांग्रेस के कार्यक्रमों में भाग लेना शुरू कर दिया जिस कारण अंग्रेजो ने इनको अपने नजर में रखे रखा और उनको गिरफ्तार करने के लिए एक मौका तलाशने लगे।

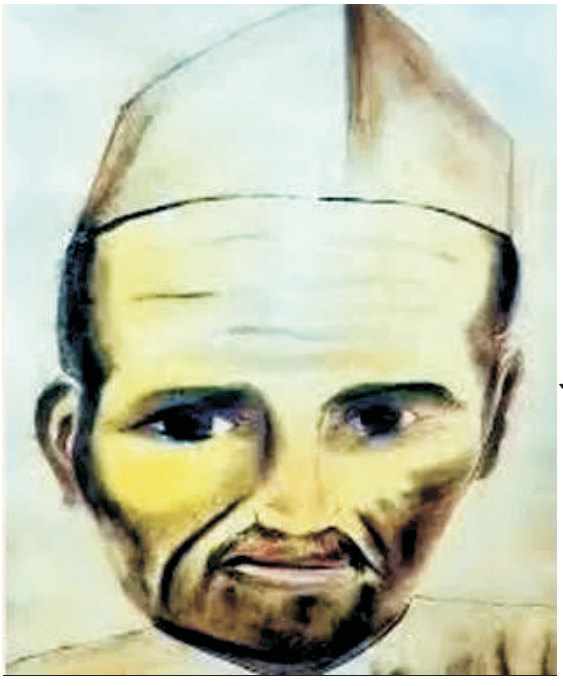

ऐसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को 'विश्वकर्मा किरण' पत्रिका परिवार की तरफ से शत्–शत् नमन।

इनका कार्य क्षेत्र मुख्यतः गराई गंगोली था, वहीं से उन्होंने महात्मा गाँधी के साथ जाकर सत्याग्रह आन्दोलन में भाग लिया और अंग्रेजो के खिलाफ अन्दोलन किया। अंग्रेजो को तो उन्हें गिरफ्तार करने के लिए एक मौके की तलाश थी। 24 फरवरी 1941 को नरी राम विश्वकर्मा को अंग्रेजी सरकार ने गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। अंग्रेजी सरकार को उनकी माली हालत के बारे मे पता था इसलिये 28 अप्रैल 1941 को उनके ऊपर 5 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। जुमार्ना ना भरने पर उनके घर से सामानों (एक थुल्मा, एक दन, एक पंखी=60 रुपए) की कुर्की कर नीलामी कर दी गयी। नीलामी के दौरान उनके घर से तांबे का एक लोटा गलती से लुढ़ककर पडोसी के खेत में जाकर गिरा और आज भी वह लोटा उनके घर पर मौजूद है।

अंग्रेजी सरकार के खिलाफ लगातार आन्दोलन से उनके विरुद्ध 5 मार्च 1941 को नोटिस जारी किया गया लेकिन उन्होंने उस नोटिस का बहिष्कार किया, जिस कारण उनको 7 मार्च 1941 को अल्मोड़ा जेल में डाल दिया गया। 21 मार्च 1941 को अल्मोड़ा से हटाकर जिला जेल बरेली भेज दिया गया और नगद जुमार्ना ना भरने पर राच हत्कार्घा चरखा, खाना बनाने के बर्तन नीलम कर दिए गए और 60 रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया। पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश बहुगुणा के साथ भी वो जेल मे रहे।

उनके परम मित्र हरीश सिंह जंगपांगी जो कि दुम्मर में रहते थे उनके कहने पर सन 1944 में गाँधी नगर गाँव आये और यहाँ लोगो को बसाया। देश में स्वतंत्रता आंदोलन अपनी चरम सीमा पर था और वह भी गाँधी जी के साथ आंदोलनों मे अपनी भागीदारी दे रहे थे और देश के सभी अन्दोलनकारियों की सहायता से 15 अगस्त 1947 को भारत को आजादी मिली। सन 1948 में वो जिलाबोर्ड अल्मोड़ा के सदस्य भी रहे।

आजादी के बाद जब वह अपने घर वापस आये तो उनकी दो पत्नियों (आनन्दी देवी और पदिमा देवी) से एक भी संतान प्राप्त नहीं हुआ था इसलिये वो संतान की प्राप्ति के लिए कैलाश चले गए और वहाँ भोलेनाथ की गुफा मैं तपस्या की। कुछ समय बाद वो अपने घर वापस आ गए और सन 1962 में रंजीत विश्वकर्मा के रूप में पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई। 8 अप्रैल 1981 को उनका बीमारी के चलते देहांत हो गया।

(साभार– मुनस्यारी)

स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी मनिया प्रसाद विश्वकर्मा देश के प्रति समर्पित कर दिया अपना जीवन

कानपुर। मनिया प्रसाद विश्वकर्मा का जन्म सन 1901 में कानपुर जिले के बरेड़ा गांव में एक बहुत ही निर्धन विश्वकर्मा परिवार में हुआ था। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण प्राइमरी शिक्षा कक्षा दो तक ही मिल पाई। विद्यार्थी जीवन से ही इनकी देश के प्रति समर्पित भावना रही। अपने साथियों के साथ गांव-गांव जाकर लोगों को देश के प्रति सजग करना, अंग्रेजों की गुलामी से देश को आजाद कराना, अपनी उम्र के बालकों का समूह जुटाकर गुलामी की जंजीरों से देश को मुक्त कराना ही उनका मुख्य उद्देश्य था।

उनके पिता सुदामा प्रसाद विश्वकर्मा को यह बात अच्छी नहीं लग रही थी। उन्होंने 20 वर्ष की आयु में मनिया प्रसाद का विवाह प्रभादेवी के साथ कर दिया। 1925 में इनके घर एक बालक का जन्म हुआ जिसका नाम त्रिवेणी रखा गया। इनके मन में दिन-प्रतिदिन आजादी की ज्वाला भड़कती रही। आस-पास के गांव मरदुनिया, मकसूदाबाद, टिकरा, नौरंगाबाद आदि क्षेत्रीय गांवों में जाकर ब्रिटिश सरकार को तंग करना, ट्रेन आने से पूर्व रेल पटरी पर लकड़ी के मोटे–मोटे गट्ठर लगा देना इनकी दिनचर्या में सम्मिलित था।

सन 1928 में द्वितीय पुत्र गया प्रसाद, 1930 में एक बेटी एवं 1933 में पुत्र काशी प्रसाद का जन्म हुआ। लेकिन आजादी का सपना इनके दिल में दिन

विश्वकर्मा वाटिका में स्थापित स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी मनिया प्रसाद विश्वकर्मा की प्रतिमा

प्रतिदिन बढ़ता गया। उन्होंने अपने लेख में लिखा कि हमारे मुख्य सहयोगी रामचरन विश्वकर्मा मसैनिया, छोटे लाल झा टिकरा, धनीराम शर्मा नौरंगाबाद, बृज नारायण टिकरा, त्रियुगी नारायण टिकरा आदि थे। इनका उद्देश्य था अंग्रेजी सरकार को तंग करके देश को आजादी दिलाना। इनकी योजनाएं थी कि अंग्रेजी हुकूमत को निकालना और स्वयं पुलिस के हत्थे न चढ़ना।

सन 1940 में भौतीखेड़ा के समीप मालगाड़ी में लदे हुये चीनी के बोरे रेलवे लाइन पर पत्थर जमा करके उतार लिए तथा अगल–बगल के गांव वालों को बुलाकर चीनी के बोरे वितरित कर दिये। इस प्रकरण में बिठूर की पुलिस छोटेलाल झा एवं मनिया प्रसाद विश्वकर्मा को पकड़कर ले गई। बराबर मार पड़ती रही परन्तु दोंनों ने अपने को निर्दोष साबित किया जिसके कारण पुलिस की गिरफ्त से छोड़ दिये गये। उनके ज्येष्ठ पुत्र त्रिवेणी को भी आजादी का भूत सवार हुआ तो वह भी अपने पिता का साथ देने आजादी की मुहिम में शामिल हुये। क्रम बराबर चलता रहा। किसी बड़ी मीटिंग में बालक त्रिवेणी अकेला चला गया इसकी खबर मनिया प्रसाद विश्वकर्मा को नहीं हुई। गोलियों की बौछार से जितने लोग बचे हुए थे भून दिए गए, नाम पता भी नहीं लग पाया कब क्या हुआ।

आजादी के समय देश की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण मनिया प्रसाद विश्वकर्मा ने पेंशन लेना स्वीकार नहीं किया और अपनी पेंशन देशहित में देश के गरीबों में दान कर दी। देश आजाद होने के बाद उनका रुझान अध्यात्म की ओर बढ़ा। उन्होंने अंधविश्वास एवं देश में व्याप्त कुरीतियों जैसे पशुबलि व मिथ्याचार का खुलकर विरोध किया। शिक्षा की ओर ध्यान देते हुए उन्होंने घर-घर जाकर छोटे बच्चों के मां-बाप को प्रोत्साहित कर बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। मनिया प्रसाद विश्वकर्मा का देश के प्रति किये गये योगदान को युगों–युगों तक याद किया जायेगा। उनके परिजनों ने उनकी मूर्ति विश्वकर्मा वाटिका में स्थापित की है।

सन्त दुलाराम कुलरिया की पुण्यतिथि पर अनूप जलोटा के भजनों की बहार

बीकानेर। विश्वकर्मा समाज के गौरव, महान दानवीर सन्त दुलाराम कुलरिया की चौथी पुण्यतिथि पर प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सन्त दुलाराम कुलरिया के पुत्रगण भंवर कुलरिया, नरसी कुलरिया और पूनम कुलरिया ने अपने पिताश्री के पदचिन्हों पर चलते हुये उनकी पुण्यतिथि पर अपनी दानवीरता का परिचय दिया।

सीलवा-मूलवास नोखा में आयोजित पुण्यतिथि समारोह में प्रबुद्ध वक्ताओं ने सन्त को याद करते हुये कहा कि मनुष्य जीवन में कर्मों से ही पहचाना जाता है। अच्छे कर्म करने वालों को लोग सदियों तक याद करते हैं। सन्त दुलाराम कुलरिया ने जीवन में गोसेवा व समाज सेवा के लिए अनेक कार्य किए। उनके ब्रह्मलीन होने के बाद भी लोग श्रद्धा से नमन करते हैं। सन्त दुलाराम कुलरिया की चतुर्थ पुण्यतिथि पर भजन संध्या का भी आयोजन हुआ। रात को हरिनाम सत्संग एवं भजन संध्या हुई। इसमें साधु-संतों के प्रवचन हुए।

भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा ने चिर-परिचित अंदाज में 'ऐसी लागी लगन, मीरा हो गई मगन, कौन कहता भगवान आते नहीं, तुम मीरा के जैसे बुलाते नहीं' आदि भजन सुनाए तो श्रोता झूम उठे। देर रात तक भजनों को सुनने के लिए श्रोता मौजूद रहे।

इस दौरान केन्द्रीय राज्यमन्त्री अर्जुन मेघवाल ने कहा कि सन्त दुलाराम कुलरिया ने अपने जीवनकाल में अनेक नेक कार्य किए। उनके बाद भंवर, नरसी और पूनम कुलरिया सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। केन्द्रीय राज्यमन्त्री के साथ ही उपस्थित लोगों ने सन्त दुलाराम कुलरिया को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

दिनभर चला दान-पुण्य का दौर–

सन्त दुलाराम कुलरिया की पुण्यतिथि पर दिनभर गरीब, असहाय, वंचित लोगों को दान-पुण्य किए गये। शाम को लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान 51 लाख रुपए विभिन्न गोशालाओं व वंचित और असहाय लोगों को वितरित किए गए।

कई हस्तियों ने की शिरकत–

भजन संध्या में केन्द्रीय राज्यमन्त्री मेघवाल के अलावा विधायक बिहारीलाल बिश्नोई, सादुलशहर विधायक जगदीश जांगिड़, कांग्रेस प्रदेश महामंत्री पुखराज पाराशर,

सन्त दुलाराम कुलरिया अस्पताल के लिये 1 करोड़ खर्च करेगा कुलरिया परिवार

राज्य सरकार ने दी अनुमति

बीकानेर। मूलवास–सीलवा निवासी ब्रह्मलीन सन्त दुलाराम कुलरिया के नाम पर निजी स्रोत से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कराया जायेगा। स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण हेतु राजस्थान सरकार ने अनुमति प्रदान कर दी है। सन्त दुलाराम के पुत्रगण भंवर, नरसी, पूनम कुलरिया स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण हेतु 1 करोड़ रुपए खर्च करेंगे। इस अस्पताल के निर्माण की घोषणा कुलरिया परिवार ने मार्च में ही कर दी थी, बस सरकार से अनुमति की आवश्यकता थी। अब सरकार ने अनुमति दे दी है तो अस्पताल निर्माण का रास्ता साफ हो गया है।

बीते मार्च महीने में स्थानीय एक कार्यक्रम में पधारे सन्त दुलाराम कुलरिया के बड़े पुत्र भंवर कुलरिया के सामने ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं की समस्या उठाई थी। ग्रामीणों की मांग पर भंवर कुलरिया ने एक करोड़ रुपए की लागत से अस्पताल बनवाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे गांव में प्राथमिक चिकित्सालय भवन बनवाने के लिए एक करोड़ रुपए खर्च करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार से केवल व्यवस्थाएं मांगी जाएगी, अर्थ सम्बन्धी कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी।

ब्रह्मलीन सन्त दुलाराम कुलरिया

सन्त दुलाराम कुलरिया की पुण्यतिथि समारोह में पधारे मुख्यमन्त्री के सलाहकार व प्रदेश कांग्रेस के महामन्त्री पुखराज पाराशर व सादुलशहर से विधायक जगदीश जांगिड़ ने अस्पताल निर्माण हेतु राज्य सरकार के सहमति की जानकारी दी। कहा कि शीघ्र ही अनुमति पत्र जारी हो जायेगा। गांव में अस्पताल बन जाने के बाद लोगों को श्रीबालाजी या नोखा जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सन्त श्री कुलरिया के पुत्र नरसी कुलरिया ने कहा कि बनने वाला 16 बेड का अस्पताल आधुनिक तकनीकों से युक्त होगा। इस अस्पताल के निर्माण में वह एक करोड़ रुपए खर्च करेंगे। यदि निर्माण कार्य में खर्च ज्यादा आया तो भी वह खर्च करेंगे। अस्पताल का निर्माण वह करायेंगे और संचालन राज्य सरकार करेगी।

...पिछले पृष्ठ का शेष

महंत क्षमाराम महाराज, महंत प्रतापपुरी महाराज पोकरण, भंवरदास रोड़ा, रामेश्वरदास महाराज जोधुपर, नोखा पालिकाध्यक्ष नारायण झंवर, रामचंद्र, प्रेमसुख शर्मा, देवाराम जांगिड़, हमराराम जांगिड़, रामगोपाल सुथार, भजन गायक शिवजी सुथार, नवरतन सिंह सहित बड़ी संख्या में हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में बीकानेर के अलावा देशभर से व्यवसायी, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, भामाशाह, समाजसेवी व प्रबुद्ध लोग आए। इसके साथ ही परिवार के लोगों में रामप्यारी देवी, गोसेवी संत पदमाराम कुलरिया, उगमाराम, देवाराम, मगाराम कुलरिया सहित अन्य परिजन मौजूद रहे।

श्रेया एसोसिएट्स

Shreya Associates

धावा स्टेट, निकट मटियारी, लखनऊ-226028

विश्वकर्मा समाज के प्रति व विश्वकर्मा समाज के लिये मेरे विचार

Founder & M.D.
Poonam Vishwakrma

एक समय था, जब लोग विश्वकर्मा वंशियों का मान-सम्मान करते थे और करें भी क्यों न भई हम विश्वकर्मा (सृष्टि रचयिता) के वंशज हैं। परन्तु आज तो ऐसा नहीं दिखता, हम पिछड़े हुये हैं, क्योंकि विश्वकर्मा समाज में अशिक्षा है, एकता नहीं है। बड़े ही दु:ख के साथ कहना पड़ता है, कि हमारे विश्वकर्मा समाज में लोग हाथ बढ़ाकर मदद करने के बजाय पैर पकड़कर खींचने का प्रयास करते हैं।

कभी आपसे किसी ने कहा है- तुम कितने लोग हो? हह! तुम क्या कर सकते हो? तुमसे जो हो सकता है, कर लो। देखते हैं कौन है तुम्हारे पीछे।

जब स्वाभिमान को ठेस पहुंचता है, मन घायल होता है, तो बहुत ग्लानि होती है ना।

कभी आपने खुद के प्रश्न किया है, कि हमारी वास्तविकता क्या है, हम सर्वश्रेष्ठ कैसे हैं? हम हैं कौन?

अब यदि आपको लगता है, कि आप अपने लिए, धर्म के अस्तित्व के लिए, विश्वकर्मा वंशियों के अस्तित्व के लिए कुछ कर सकते हैं तो आइए साथ मिलकर ललकार करें, प्रभु विश्वकर्मा की जय जयकार करें।

मैं पूनम विश्वकर्मा फाउण्डर ऑफ श्रेया एसोसिएट्स, मैं व्यवहारिक रूप से व अपने फर्म के माध्यम से रोजगार क्षेत्र में विश्वकर्मा समाज के लोगों को प्राथमिकता देती हूं। मेरा उद्देश्य विश्वकर्मा समाज को आगे बढ़ाना है, इसके लिए मैंने निरन्तर व तत्पर रूप से कार्य किया है, विश्वकर्मा समाज में जरुरतमंद की मदद भी किया व आगे भी करती रहूँगी।

विश्वकर्मा समाज के प्रति मेरे उद्देश्य की पूर्ति के लिए परिवार के रुप में सहयोगी/ भागीदार बनें, क्योंकि हम सब एक परिवार हैं।

यदि आपके धमनियों में प्रभु विश्वकर्मा का रक्त है तो एकता की शक्ति को पहचानिए, भेदभाव खत्म कीजिए, शिक्षित बनिए, समाज में विश्वकर्मा परिवारों से मेल जोल/परिचय/ पहचान बढ़ाइए, किसी विश्वकर्मा परिवार के दु:ख की घड़ी में अन्य विश्वकर्मा परिवारों व अपने स्वयं से जो मदद कर सकते हैं, कीजिए।

एक बात याद रखिये, आज आप विश्वकर्मा समाज/परिवार के लिए खड़े हैं, तो कल व अनन्त काल तक विश्वकर्मा समाज/परिवार आपके मदद के लिए खड़ा रहेगा। अत: अपने पांव पसारिये। अनेक विश्वकर्मा, संगठन अध्यक्ष, राजनेता, कार्यकर्ता, डॉक्टर, समाजसेवक, अधिकारी के रुप में विश्वकर्मा समाज को और बड़ा बनाने में प्रयासरत हैं, आप भी प्रयास कीजिए, आपका योगदान महत्वपूर्ण है।

आप विश्वकर्मा (सृष्टि रचयिता) के वंशज हैं, आप कुछ भी कर सकते हैं।

Poonam Vishwakarma

Founder & M.D.
Poonam Vishwakrma

shreyaassociates.com +91 9628545000 +91 7897060124 shreyaassociates913@gmail.com
facebook.com/shreyaassociateslko Shreya Associates linkedin.com/in/shreyaassociateslko

बनवाएँ अपने सपनों का घर

हमारे यहाँ सभी प्रकार के भवन के नक्शे एवं निर्माण का कार्य कुशल इंजीनियरों के देखरेख में कान्ट्रेक्ट बेस पर किया जाता है।

हमारी सेवाएं

- ★ डिजाइन, ड्राइंग (नक्शा), इस्टीमेट, वैल्युवेशन।
- ★ सभी सिविल कंस्ट्रक्शन वर्क एक्सटीरियर व इन्टीरियर डिजाइन के साथ।
- ★ एडवाइजर एडवोकेट्स
- ★ 600 वर्गफुट एरिया का ए.सी. हॉल पार्टी/मीटिंग एवं अन्य कार्यक्रम हेतु 24 घंटे उपलब्ध है।

एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

सम्पर्क करें

SHREYA ASSOCIATES

Plot No. 310, Dhawa State, Goyala, Chinhat, Lucknow-226028

E-mail : shreyaassociates913@gmail.com, Website : www.shreyaassociates.com

Mob. 9628545000, 7897060124

कुष्ठ आश्रम में फल वितरित कर मनाया डा0 शशिकान्त शर्मा का जन्मदिन

रायबरेली। मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है, और जब यह सेवा कुष्ठ आश्रम जैसे जगहों पर की जाय तो सेवा का वजूद और बढ़ जाता है। रायबरेली जिले का नामचीन संस्थान है 'न्यू स्टैण्डर्ड ग्रुप आफ इन्स्टीच्यूट।' इस इन्स्टीच्यूट की नीव रखी थी डा0 शशिकान्त शर्मा ने जो आज ऊंचाइयों पर है। संस्थान के संस्थापक/चेयरमैन डा0 शशिकान्त शर्मा चाहें तो कोई भी प्रोग्राम बड़े से बड़े होटल में कर सकते हैं। परन्तु उन्होंने मानवता की जो मिशाल पेश की है, अनुकरणीय है।

एक अगस्त को उनका जन्मदिन था। जहां संस्थान के लोगों ने उनका जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया वहीं डा0 शशिकान्त शर्मा ने स्वयं परिवार और संस्थान के कुछ सदस्यों के साथ रायबरेली के कुष्ठ आश्रम में पहुंचकर कुष्ठ रोगियों के बीच फल वितरित कर अपना जन्मदिन मनाया। कुष्ठ आश्रम में तमाम पुरूष, महिला व बच्चे अपने बीच डा0 शशिकान्त शर्मा जैसे नेकदिल इन्सान को पाकर काफी खुश नजर आये।

डा0 शशिकान्त शर्मा का समाज के प्रति सहयोग और समर्पण किसी से छिपा नहीं है और न ही वह पहचान के मोहताज हैं। उन्होंने अपने परिश्रम से इतना बड़ा संस्थान खड़ा किया है जिसमें कई हजार बच्चे अपना भविष्य सुधार रहे हैं। एलकेजी से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट व बीएड, बीटीसी जैसे कोर्स भी संस्थान में सम्मिलित हैं। इन संस्थानों में पढ़ने वाले कई ऐसे भी छात्र हैं जिनकी फीस डा0 शशिकान्त शर्मा अपने पास से जमा करते हैं। वह अपना जन्मदिन उन लोगों के बीच मनाते हैं जो समाज की धारा से कटे हुये हैं। उनकी मानवता और सेवाभाव के सभी कायल हैं।

डा0 शशिकान्त शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर वाराणसी भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, भाजपा नेता डा0 कृष्णमुरारी विश्वकर्मा, दिल्ली आरपीएफ में तैनात वेदप्रकाश शर्मा सहित कई लोगों ने शुभकामना व बधाई दी।

हरियाली अमावस्या पर सुथार समाज ने सामाजिक विकास का लिया संकल्प

आहोर। मंडला गांव में स्थित श्री विश्वकर्मा वंश सुथार समाज के गजानन महाराज मंदिर परिसर में हरियाली अमावस्या पर चातुर्मास पर विराजमान महंत सनातनगिरी महाराज के सानिध्य में सुथार समाज के युवाओं का सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में सुथार समाज में युवाओं की भूमिका के बारे में चर्चा करते हुए सामाजिक कार्यों में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान महंत सनातनगिरी महाराज ने युवाओं को शिक्षा, एकता, संस्कार एवं चरित्र निर्माण के बारे में विशेष बातें बताकर लक्ष्य प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त किया।

कार्यक्रम के दौरान सुथार समाज के युवक–युवतियों को भी उद्बोधन देने का अवसर दिया गया। इस मौक पर सुथार समाज की होनहार बेटी नेहा ने वर्तमान समय में शिक्षा के महत्व

युवाओं ने शिक्षा, एकता, संस्कार एवं चरित्र निर्माण का लिया संकल्प

और समाज में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ ही 12वीं कक्षा ऊत्तीर्ण कर उच्च शिक्षा ग्रहण करने की इच्छुक समाज की बालिकाओं को प्रोत्साहित करने की बात कही। नेहा ने बताया कि अगर समाज की बेटियों का मान बढ़ाना चाहते हो तो उन्हें शिक्षित बनाओ। इस दौरान सीए मोहन पाराशर ने समाज के युवाओं से लक्ष्य प्राप्ति के लिए अधिक मेहनत करने की बात कही। साथ ही सेवानिवृत्त पीएचईडी अधीक्षण अभियंता भंवरलाल सुथार ने युवाओं को संस्कार एवं चरित्र निर्माण के बारे में बाते बताई।

सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे सुरेश सुथार व जसराज एवं रिटायर अधिकारी कानाराम सुथार ने सामाजिक एकता और अखंडता बनाए रखने में समाज के युवाओं की भूमिका के बारे में बताते हुए कहा कि संगठित समाज का निर्माण युवाओं की भागीदारी से ही संभव है। सामाजिक कार्यकर्ता खीमाराम सुथार शंखवाली ने युवक युवितयों को ऊजार्वान बनने और जीवन में उन्नति प्राप्त करने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन बंशीलाल सुथार ने किया।

इस मौके पर संत भरतमुनि महाराज, तिलोकचंद, गोमाराम, रतनलाल सुथार, उम्मेदमल सुथार, अगवरी सरपंच शांतिलाल सुथार, हरजी पट्टी अध्यक्ष हस्तीमल सुथार, पटवारी पोलाराम सुथार, नोपाराम सुथार, युवराज नोरवा, नारायणलाल जोगणी, सांवलाराम, हंसाराम, बाबूलाल तखतगढ, भैरूमल, इन्द्रमल, भबूतमल समेत जालोर, पाली व सिरोही जिले के विभिन्न गांवों से आए श्री विश्वकर्मा वंश सुथार समाज के युवा एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सत्ता में भागीदारी का माध्यम हो अभियान– जे0एन0 विश्वकर्मा

लखनऊ। आजादी के 72 वर्षों बाद भी अति पिछड़े वर्ग का महत्वपूर्ण अंग विश्वकर्मा समाज सत्ता में भागीदारी से दूर है। विश्वकर्मा एकीकरण अभियान विश्वकर्मा समाज की सत्ता में भागीदारी के लिये प्रतिबद्ध है। उक्त विचार अवकाश प्राप्त आई0ए0एस0 व विश्वकर्मा एकीकरण अभियान के राष्ट्रीय प्रमुख जे0एन0 विश्वकर्मा ने अभियान दिवस के अवसर पर उपस्थित लोगों के समक्ष प्रकट किया गया। ज्ञात हो कि प्रतिवर्ष 12 अगस्त को विश्वकर्मा एकीकरण अभियान की तरफ से 'अभियान दिवस' का आयोजन किया जाता है। अभियान दिवस प्रत्येक वर्ष देश के विभिन्न भागों में आयोजित होता है। इस वर्ष यह लखनऊ के मकबूलगंज स्थित ककुहांस विश्वकर्मा मन्दिर में मनाया गया।

बतौर मुख्य अतिथि अभियान प्रमुख जे0एन0 विश्वकर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि विश्वकर्मा समाज की जनसंख्या कुल आबादी का 10 प्रतिशत है, इसके बावजूद भी उपेक्षित है। विश्वकर्मा एकीकरण अभियान विश्वकर्मा समाज को आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी के लिये प्रतिबद्ध है, इसके लिये संघर्ष किया जायेगा।

अभियान के प्रदेश प्रभारी नरेश पांचाल ने कहा कि आगामी विधानसभा–2022 के आम चुनाव में विश्वकर्मा समाज के स्वयंसेवक सक्रिय भागीदारी निभाते हुये अपने समाज के प्रतिनिधियों को विधानसभा में भेजने का काम करेंगे। अभियान समारोह को अन्य अतिथियों और पदाधिकारियों ने भी सम्बोधित किया। सभी ने अभियान को मजबूती प्रदान करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संचालक नरेश विश्वकर्मा, मंजू विश्वकर्मा, राम सुमिरन शर्मा, राम मनोहर वर्मा, अशोक शर्मा, रमाशंकर शर्मा, इं0 राकेश शर्मा, बेचू विश्वकर्मा, महेश योगी, जे0पी0 शर्मा, प्रेम नारायण, अजय सोनी, गोपाल शर्मा, महेन्द्र विश्वकर्मा, पवन शर्मा (पत्रकार), गौरव धीमान, विनोद विश्वकर्मा, मनोज शर्मा, आशीष शर्मा, दान किशोर विश्वकर्मा, मीना विश्वकर्मा, अहिबरन सिंह विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा एडवोकेट, मन्दिर कमेटी के अध्यक्ष राम कैलाश शर्मा, राम भुआल विश्वकर्मा एडवोकेट, वरिष्ठ पत्रकार शिवबली विश्वकर्मा, प्रेमचन्द विश्वकर्मा सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

-नरेश पांचाल

17वां अभियान दिवस समारोह सम्पन्न

इन्दौर। विश्वकर्मा एकीकरण अभियान का 17वां अभियान दिवस समारोह अभिनव कला सभागार इन्दौर में मध्यप्रदेश के स्वयं सेवकों द्वारा धूम-धाम से मनाया गया। इस अवसर पर विश्वकर्मा एकीकरण अभियान के केन्द्रीय संचालक वी0के0 विश्वकर्मा 'पांचालरत्न' भोपाल मुख्य अतिथि थे। समारोह की अध्यक्षता मध्यप्रदेश अभियान प्रभारी नेता रमेश विश्वकर्मा 'पत्रकार' इन्दौर ने किया।

इस मौके पर विश्वकर्मा एकीकरण अभियान के गठन एवं उसके समृद्ध उपलब्धि की चर्चा की गयी। साथ ही अभियान को और भी मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर अनेकों उपस्थित स्वयंसेवकों ने बहुत ही सुन्दर-सुन्दर विचार प्रस्तुत किये। तत्पश्चात समाजसेवी वरिष्ठ स्वयंसेवकों का पुष्पहार से स्वागत किया गया। केन्द्रीय प्रचारक बिरजू शर्मा ने कहा कि एकीकरण से ही समाज का विकास संभव है। एकीकरण के फलस्वरूप अनेकों स्थानों पर विश्वकर्मा समाज के पार्षद जीतकर आये है। इन्दौर में जो भी समाजजन पार्षद के उम्मीदवार होंगे उनको अमानत राशि का 25% राशि देने की घोषणा की। उनके घोषणा से प्रेरित होकर अन्य दो पदधिकारी गणों ने भी 25% - 25% राशि देने की घोषणा की। इस तरह अभियान की तरफ से एक अच्छी पहल की शुरूआत हुई जिसकी सभी उपस्थित सदस्यों ने सराहना की।

मुख्य अतिथि विश्वकर्मा एकीकरण अभियान के केन्द्रीय संचालक वी0के0 विश्वकर्मा 'पांचालरत्न' भोपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अभियान प्रमुख ज0एन0 विश्वकर्मा पूर्व आईएएस लखनऊ के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर सभागार में उपस्थित समस्त स्वयंसेवको की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दी और उनके दिर्घायु होने की कामना की। वैसे ही पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट के साथ गूंज उठा।

आगे जानकारी देते हुए बताया कि 9.7% वाला विश्वकर्मा समाज राजनीति के क्षेत्र में पिछड़ा है। संख्यानुपातिक देश के 543 सांसद तथा 4215 विधायकों में से 512 विधायक विश्वकर्मा समाज से होने चाहिये थे, जबकि हम शून्य के बराबर है। अब जरूरत है अपने हक एवं अधिकार प्राप्त करने के लिये हम लोगों को एक बड़ी लड़ाई लड़ने की जिससे समाज को सत्ता में भागीदारी मिल सके। विश्वकर्मा एकीकरण अभियान समाज की सत्ता में भागीदारी के लिए सतत प्रयासरत है। आईए हम सब मिलकर चले एकीकरण से सत्ता की ओर।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रदेश प्रभारी नेता रमेश विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा एकीकरण अभियान का गठन के पीछे एक ही उद्देश्य रहा है कि विश्वकर्मा समाज की सत्ता में भागीदारी दिलाकर वैभवशाली मुकाम तक पहुंचाया जा सके। प्रदेश संचालक शरद शर्मा वास्तु सलाहकार ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर रमेश चन्द्र पांचाल, शरद शर्मा वस्तु सलाहकार, गेंदमल पांचाल, बिरजू शर्मा, राधेश्याम पांचाल, दिलीप पांचाल, विनोद शर्मा, कन्हैया लाल विश्व0, अरुण शर्मा, राकेश शर्मा, घनश्याम गोरना, रामदीन विश्व0, मुरारीलाल पांचाल, मोतीलाल विश्व0, देवीलाल विश्व0, सुरेश पांचाल, राजाराम विश्वकर्मा, नीरज विश्व0, हीरेन्द्र पांचाल, जानकीलाल विश्व0, खंनु विश्व0, राजकुमार विश्व0, सुभाष पांचाल, सी एम विश्वकर्मा, नागेश्वर विश्व0, भानुप्रताप पांचाल, रमेश खुंदवाल, बल्लभ भाई पांचाल, शिवशंकर विश्व0, महेश चौहान, शिवप्रसाद विश्व0, उमाशंकर आदि समेत स्वयं सेवक मौजूद थे।

विधायक जगदीश चन्द्र जांगिड़ ने किया जांगिड़ छात्रावास भवन का लोकार्पण

सीकर। श्री विश्वकर्मा सेवा समिति खंडेला के नवनिर्मित छात्रावास भवन का लोकार्पण शार्दुल शहर से राजस्थान विधानसभा के सदस्य जगदीश चन्द्र जांगिड़ के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। विधायक के मुख्य आतिथ्य में तथा जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष लखन शर्मा की अध्यक्षता में भव्य समारोह आयोजित हुआ।

समारोह में छात्रावास हेतु भूमि प्रदाता भामाशाह मनोहरी देवी व बजरंग लाल जांगिड़ फतेहपुरा वाले, इन्दौर तथा राजस्थान प्रदेश के युवा अध्यक्ष नाथूलाल गंगाला बाड़मेर, बी0सी0 शर्मा पूर्व उपप्रधान महासभा, आर0सी0 शर्मा गोपाल पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान अति विशिष्ट के तौर पर उपस्थित थे। समारोह में हजारों समाज बंधुओं ने भाग लिया। मौसम की प्रतिकूलता के बावजूद समाज के लोगों ने उपस्थित होकर समारोह को गरिमा प्रदान की।

श्री विश्वकर्मा सेवा समिति खंडेला के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों और आगन्तुकों के प्रति आभार प्रकट किया। समारोह में मंच संचालन शिक्षक संघ शेखावत के

प्रांतीय महामंत्री उपेन्द्र शर्मा द्वारा किया गया।

मंचासीन अतिथियों ने समिति द्वारा किये जा रहे पुण्यकारी कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। मुख्य अतिथि विधायक जगदीश चन्द्र जांगिड़ ने अपने सम्बोधन में समिति की सराहना तो की ही, हमेशा सहयोगात्मक भूमिका में बने रहने का भी आश्वासन दिया। अध्यक्षता कर रहे जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष लखन शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

रजि0 नं0: 2689

ॐ कंचन काया

Yoga Naturopathy & Acupressure Center

ॐ कंचनकाया चिकित्सा एवं प्रशिक्षण केन्द्र में प्राकृतिक चिकित्सा, योग चिकित्सा एवं एक्यूप्रेशर द्वारा शारीरिक एवं मानसिक व्याधियों का समाधान तथा योग प्राकृतिक चिकित्सा एवं एक्यूप्रेशर द्वारा चिकित्सा का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

योग अभ्यास की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप अभ्यास की सुविधा :-

- व्यक्तिगत योगाभ्यास की सुविधा।
- आवास पर योग प्रशिक्षण।
- केन्द्र पर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की सेवा।
- शारीरिक व्याधि जैसे मधुमेह, मोटापा, जोड़ों का दर्द, कब्ज, उच्च रक्तचाप, निम्न रक्तचाप, महिलाओं की मासिक धर्म से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान।

मानसिक व्याधि जैसे- अवसाद, अनिद्रा, अतिनिद्रा इत्यादि।

18/357, Indira Nagar
Lucknow
Mob.- 7355206306

डा0 पूनम शर्मा, प्राकृतिक चिकित्सक एवं योग विशेषज्ञ

श्री विश्वकर्मा विकास समिति द्वारा प्राकृतिक चिकित्सा शिविर आयोजित

नागौर। श्री विश्वकर्मा विकास समिति द्वारा प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष रामचन्द्र उत्ता, विकास समिति के संरक्षक एवं भाजपा ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष जवरीलाल जांगिड़, संरक्षक भंवरलाल कुलरिया, समिति अध्यक्ष भगवान प्रसाद बरड़वा, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश धामु, महासभा जिलाध्यक्ष तुलसीराम जांगिड़, महामंत्री बंकट लाल जांगिड़ ने दीप प्रज्वलित कर व पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की।

शिविर संचालक डॉ0 राजकुमार शर्मा ने प्राकृतिक चिकित्सा, एक्यूप्रेशर, सुजोक, रेकी, योग प्राणायाम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुवे बताया कि किस तरह से बिना चीरफाड़ और दवा के असाध्य बीमारियों का उपचार किया जा सकता है। सदियों से चली आ रही भारतीय उपचार पद्धति और अपनी संस्कृति से जुड़ी कई रोचक बातों को बताते हुवे डॉ0 शर्मा ने कहा वर्तमान जीवन शैली में हमारे ऋषि मुनियों द्वारा प्रदत्त मार्ग पर चलने की अति आवश्यकता है।

कार्यक्रम में भाजपा महामंत्री नंदकिशोर जांगिड़, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष देवानंद जांगिड़, मीडिया प्रभारी अशोक कांगसिया, हरीराम कड़लवा, हनुमान लेखरा, कनीराम सुथार, हेमाराम नाराधना, रामचंद्र बरड़वा, मदनलाल अठवासिया, पापालाल धारणियां, पुखराज बरड़वा, कानाराम करेल, कन्हैयालाल बरड़वा, रामधन सलून, विजय कुमार बरड़वा, शांतिलाल अठवासिया, ओमप्रकाश बरड़वा, सुरेश बरड़वा, गणपत बरड़वा, अशोक बरड़वा, अनिल बरड़वा, पिंटू उत्तम सहित अनेक समाज बन्धु उपस्थित रहे।

इस शिविर की सर्वत्र सराहना करते हुये लोग आवश्यकता बता रहे हैं।

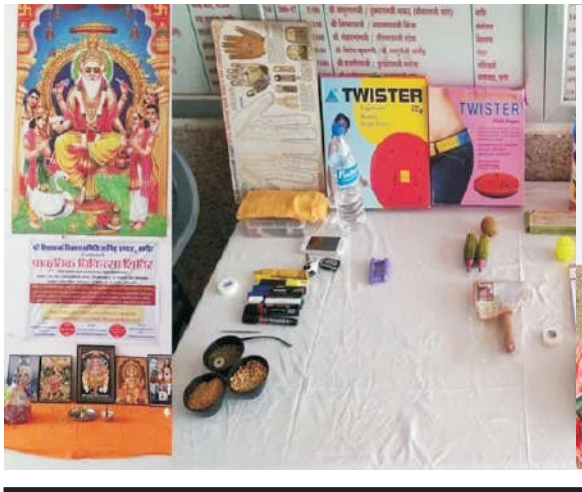

विश्वकर्मा समाज शिक्षित बनकर बनाये अपनी पहचान

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज स्थित स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में एकजुटता के आवाहन के साथ विश्वकर्मा समाज का सम्मेलन बीते दिनों संपन्न हुआ। तय हुआ कि दबे–कुचले इस समाज का उत्थान कराने के लिए मुख्यमन्त्री को स्थानीय विधायक के जरिये ज्ञापन सौंपा जाय। वक्ताओं ने समाज के लोगों से शिक्षित बनने की भी अपील की।

वक्ताओं ने कहा कि समाज के लोगों का प्रयोग हमेशा राजनीतिक दलों द्वारा किया जा रहा है। सरकार बनने के बाद विश्वकर्मा समाज को लोग भूल जा रहे हैं। हालत यह है कि इस समाज के लोग तमाम समस्याओं से घिरते जा रहे हैं। उनकी राजनीतिक पहचान भी न के बराबर है, जिसकी वजह से वे अपने को उपेक्षित समझने लगे हैं। यह भी कहा कि विश्वकर्मा समाज के कर्मठ ईमानदार नेता मन्त्री या विधायक बनना तो दूर उन्हें किसी निगम का चेयरमैन तक नहीं बनाया जाता, जिसकी वजह से

विश्वकर्मा समाज उत्थान नहीं कर पा रहा है। कार्यक्रम के अंत में पहुंचे सदर विधायक भूपेश चौबे को ज्ञापन सौंपा गया।

विश्वकर्मा सम्मेलन में डा0 शिव प्रसाद विश्वकर्मा, नंदलाल विश्वकर्मा, प्रेम प्रसाद विश्वकर्मा, सर्वजीत विश्वकर्मा, रामदुलारे विश्वकर्मा, लक्ष्मी विश्वकर्मा, हीरामणि विश्वकर्मा, जगन्नाथ विश्वकर्मा, रामनरेश विश्वकर्मा,

वक्ताओं ने कहा कि समाज के लोगों का प्रयोग हमेशा राजनीतिक दलों द्वारा किया जा रहा है। सरकार बनने के बाद विश्वकर्मा समाज को लोग भूल जा रहे हैं।

विद्यापति विश्वकर्मा, शंभूनाथ विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा आदि लोगों ने विचार व्यक्त किया। अध्यक्षता देश प्रेमी विश्वकर्मा और संचालन समय नाथ विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

परमेश्वर सुथार को मिला जी मीडिया अवार्ड–2019

पहले मिल चुका है 'सर्वश्रेष्ठ थानाधिकारी' का पुरस्कार

जयपुर। देश के सर्वश्रेष्ठ थानाधिकारी का पुरस्कार प्राप्त कर चुके परमेश्वर बी सुथार को 'जी मीडिया अवार्ड–2019' देकर सम्मानित किया गया है। जी मीडिया की तरफ से जयपुर में आयोजित अवार्ड समारोह में पुलिसकर्मियों को यह अवार्ड दिया गया।

राजस्थान सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास व चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा, जी मीडिया के हेड पुरूषोत्तम वैष्णव तथा राजस्थान के अपर पुलिस महानिदेशक बी0एल0 सोनी ने अपने हाथों अवार्ड प्रदान किया।

ज्ञात हो कि इसके पूर्व परमेश्वर बी सुथार को तत्कालीन केन्द्रीय गृहमन्त्री राजनाथ सिंह ने देश के 'सर्वश्रेष्ठ थानाधिकारी' का पुरस्कार प्रदान किया था। तब वह कालू थाना के थानाधिकारी थे। वर्तमान समय में परमेश्वर बी सुथार की तैनाती श्रीगंगानगर के चूनावढ़ थानाधिकारी पद पर है।

"Healthcare with Human Touch"
पूर्वांचल का एकमात्र हास्पिटल
यशदीप हास्पिटल
हम प्रयास करते हैं वो बचाता है
आर्थो न्यूरो ट्रामा एवं हार्ट-केयर सेन्टर
ए मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छोटालालपुर, पाण्डेयपुर, वाराणसी
न्यूरो रोग
माईग्रेन स्पाइन इंजूरी
सिर में चोट ब्रेन ट्यूमर
पैरालिसिस कमर दर्द
मुह का लकवा गर्दन दर्द
स्लिप डिस्क सर्जरी सिर दर्द
आदि का सम्पूर्ण इलाज
Help Line : 8765628771, 8765628772, 8765628773, 8765628774
24 घण्टे सेवा
डॉ0 एस. के. विश्वकर्मा प्रबन्धक निर्देशक
हड्डी जोड एवं नस रोग विशेषज्ञ
डा. पी. एस. वर्मा न्यूरो सर्जन

कार्यालय नगर पंचायत बिलरियागंज, आजमगढ़

15 अगस्त 2019 स्वतन्त्रता दिवस एवं रक्षाबन्धन के पावन पर्व पर नगर पंचायत बिलरियागंज, आजमगढ़ नगरवासियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करती है तथा नगर वासियों से निवेदन करती है।

वृक्ष धरा का भूषण है। करता दूर प्रदूषण है।
वृक्ष लगाएं। पर्यावरण बचाएं।
स्वच्छता अपनाएं। बीमारी दूर भगाएं।

1- नगर पंचायत बिलरियागंज स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में प्रतिभाग कर रहा है। नगर को प्रथम स्थान पर लाने में स्वच्छता अपनाकर निकाय को सहयोग प्रदान करें।

2- जन्म-मृत्यु का पंजीकरण 21 दिन के अंदर कराएं।

3- गृह कर, व्यवसाय कर एवं जल मूल्य की अदायगी समय से करें।

4- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्लास्टिक को पूर्णतया प्रतिबन्धित कर दिया गया है। प्लास्टिक का प्रयोग किसी भी दशा में न करें।

5- पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने हेतु वृक्ष लगाएं एवं नगर पंचायत का सहयोग करें।

6- नगर पंचायत बिलरियागंज, आजमगढ़ को ओ0डी0एफ0 घोषित कर दिया गया है। खुले में शौच करना एवं गंदगी फैलाना एक सामाजिक अपराध है। खुले में शौच करने पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही एवं अर्थदण्ड लगाया जायेगा।

7- जल ही जीवन है, इसे अनावश्यक में बहाएं।

8- सार्वजनिक पोखरी, तालाब, मैदान, सड़क, नाला-नाली के ऊपर अवैध अतिक्रमण न करें।

9- प्रकाश बिन्दु को न तोड़ें, दिन में बल्ब आदि जलता पाया जाने पर नगर पंचायत को सूचित करें।

10- नगर पंचायत द्वारा कूड़ा उठाने के उपरान्त सड़क पर कूड़ा न डालें। नगर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें।

11- सूखा कूड़ा एवं गीला कूड़ा अलग-अलग डस्टबिन में डालें।

12- कोई ऐसा कृत्य न करें, जिससे पर्यावरण प्रदूषित हो तथा जनमानस को हानि हो।

(मु0 रफीउल्लाह आजमी)	(सुरेश कुमार)	(विरेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा)
लिपिक/नोडल अधिकारी	अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पंचायत बिलरियागंज	नगर पंचायत बिलरियागंज	नगर पंचायत बिलरियागंज
आजमगढ़।	आजमगढ़।	आजमगढ़।

सदस्यगणः 1-तारा देवी, 2-प्रमोद कुमार, 3-घनश्याम मोदनवाल, 4-नासरीन बानो, 5-मो0 साद, 6-रेहाना बानो, 7-जयप्रकाश यादव, 8-तबरेज अहमद, 9-मो0 तारिक, 10-मो0 आसिफ, 11-ज्ञानती देवी।

पत्रांकः मेमो/न0पं0बि0/2019-20 दिनांकः 13-08-2019

श्री विश्वकर्मा जांगिड़ महिला विकास समिति ने किया सिलाई प्रशिक्षण शिविर की शुरूआत

नागौर। श्री विश्वकर्मा जांगिड़ महिला विकास समिति द्वारा युवतियों व महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिये सिलाई प्रशिक्षण शिविर का आरम्भ किया गया। यह सिलाई प्रशिक्षण शिविर लाडनूं में स्टेशन रोड स्थित श्री विश्वकर्मा भवन में स्थापित किया गया है जिसका बाकायदा उद्घाटन किया गया। शिविर में अनुभवी व योग्य अध्यापिकाओं द्वारा सिलाई का प्रशिक्षण दिया जायेगा।

शिविर का उद्घाटन करते हुये निर्मला तीराणियां ने कहा कि यह सकारात्मक शुरूआत हुई है, इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी। यह कौशल का जमाना है, आत्मनिर्भरता ही समय की मांग है। इस अवसर पर अनीता खलवाड़ियां, अमिता किंजा, सुलोचना जायसवाल, ज्योति किंजा, ज्योति जायसवाल सहित कई प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहीं। समिति की अध्यक्ष वन्दना किंजा ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

शटलर प्रांजलि शर्मा को गोपीचन्द एकेडमी में मिला स्थान

अयोध्या। अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने वाली संस्था पी गोपीचंद बैडमिटन एकेडमी हैदराबाद की दूसरी इकाई ग्रेटर नोएडा में जिले की खिलाड़ी प्रांजलि शर्मा का चयन हो गया है। स्थानीय कोच रमेशचंद्र यादव के अनुसार न्यू टीचर्स कालोनी अवध विश्वविद्यालय के निवासी डॉ0 अनिल कुमार शर्मा की पुत्री प्रांजलि शर्मा का चयन वहां पर आयोजित 20 दिनी कैंप में परफारमेंश के आधार पर किया गया है। कैंप के लिए उसको ट्रायल के दौर से गुजरना पड़ा।

उसका मानना है कि लगन व निष्ठा के साथ परिश्रम किया जाए तो मंजिल की राह आसान बन जाती है। उसका लक्ष्य राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना है। उसने इसका श्रेय अपने माता-पिता व स्थानीय प्रशिक्षक को दिया है। वह मौजूदा समय में डॉ0 भीमराव अंबेडकर राज्य विद्यालयीय क्रीड़ा संस्थान में संचालित आरसी बैडमिटन एकेडमी की ट्रेनी है। उसका चयन गोपीचंद बैडमिटन एकेडमी में होने पर उसकी साथी खिलाड़ियों में हर्ष व्याप्त है। डा0 रमेश चन्द्र वर्मा, इं0 रामसुन्दर विश्वकर्मा, रंजीत शर्मा, मनोज विश्वकर्मा आदि लोगों ने प्रांजलि के चयनित होने पर शुभकामना दी है।

अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा झारखण्ड प्रदेश कमेटी का हुआ गठन

रांची। अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा की आवश्यक बैठक हरमु स्थित होटल क्रेंडल इन के सभागार में आहूत की गई। बैठक में महासभा की झारखण्ड प्रदेश कमेटी का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता डा0 दिलीप सोनी ने किया। बैठक में विश्वकर्मा समाज के पांचो वंशज लौहकार, काष्टकार, ताम्रकार, शिल्पकार और स्वर्णकार के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर समाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं अन्य विषयों पर अपना-अपना विचार दिये।

समाज को आगे बढ़ाने के लिए केन्द्रीय नेतृत्व के दिशा निर्देश में अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा का झारखण्ड प्रदेश कमेटी का गठन निर्वाचन तरीके से हुआ। निर्वाचित पदाधिकारीगण इस प्रकार हैं- प्रदेश अध्यक्ष डा0 दिलीप कुमार सोनी, कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश प्रजापति, वरीय उपाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष अधिवक्ता संतोष सिन्हा, प्रधान महासचिव विक्रान्त विश्वकर्मा, महासचिव सदन प्रजापति, अशोक विश्वकर्मा (पलामु प्रमण्डल), कोषाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्षा ललीता देवी, महासचिव कमला शर्मा, युवा मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष शत्रुधन प्रसाद चुने गये। सभी नव चयनित पदाधिकारियों को उपस्थित सैकड़ो लोगों ने माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर बधाई दिया।

प्रदेश अध्यक्ष डा0 दिलीप कुमार सोनी, कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश प्रजापति, वरीय उपाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष अधिवक्ता संतोष सिन्हा, प्रधान महासचिव विक्रान्त विश्वकर्मा, महासचिव सदन प्रजापति, अशोक विश्वकर्मा (पलामु प्रमण्डल), कोषाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा चुने गये।

नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष डा0 दिलीप कुमार सोनी ने कहा कि झारखण्ड में विश्वकर्मा समाज की पांचो वंशजो की आबादी 18 से 20 प्रतिशत है। संगठन को मजबूत करने के लिए प्रथम चरण में पचास हजार आजीवन सदस्य एवं एक लाख साधारण सदस्य की जरूरत है। महासभा कमिटी के द्वारा झारखण्ड के समस्त जिलों मे घूम-घूमकर पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर की कमिटी बहुत जल्द बनाई जायेगी। सर्वसहमती से निर्णय लेने के बाद आजीवन सदस्य के लिए ग्यारह सौ रुपए एवं त्रिवर्षीय सदस्य के लिए एक सौ पचास रुपए रखा गया है।

बैठक को प्रमुख रूप से विक्रान्त विश्वकर्मा, राकेश कुमार शर्मा, पार्षद अर्जुन राम प्रजापति, राजेन्द्र शर्मा, अधिवक्ता संतोष सिन्हा, अधिवक्ता विरेन्द्र वर्मण, सदन प्रजापति, बैजू शर्मा, ललिता देवी, वीणा महतो, दिनेश प्रजापति, ने संबोधित किया।

बैठक का संचालन विक्रान्त विश्वकर्मा ने किया। बैठक में प्रमुख रूप से समाज के प्रबुद्ध लोगों में संजय कुमार शर्मा, विनोद शर्मा, शम्भुनाथ शर्मा, शशि प्रकाश, हरिहर पंडित, कमलेश्वर मिस्त्री, भीम शर्मा, मनोज कुमार शर्मा, जगदेव विश्वकर्मा, सूरज कुमार, अशोक विश्वकर्मा, निर्मला राणा, राजेश राणा, दिलीप कुमार सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन राजेन्द्र शर्मा ने किया।

तंगहाली में जीने को मजबूर पंजाब के सिकलीगर सिख

जालंधर। किसी समय 'चाकू छुरियां तेज करा लो' की आवाज देने वाले और गुरु गोविंद सिंह के हथियार निमार्ता सिकलीगर सिख पंजाब में बेहद खराब स्थिति में जीने को मजबूर हैं। सिख संस्थाओं की अनदेखी तथा आधुनिक हथियारों और औद्योगिक–प्रौद्योगिकी के आगमन ने सिकलीगरों को कठिन आर्थिक रूप से प्रभावित किया है। एक अप्रचलित व्यवसाय की खोज में लगे हुए, वे अब एक गरीब और पिछड़े लोग हैं, जो भारतीय संविधान के तहत परिभाषित अनुसूचित जातियों में से एक हैं।

35 से 40 हजार सिकलीगर पंजाब में करते हैं निवास–

विश्वभर में सिकलीगर सिखों की संख्या लगभग 7 करोड़ हैं जिनमें से लगभग 35 से 40 हजार सिकलीगर पंजाब में निवास करते हैं। दक्षिण और मध्य भारत में इन्हें कामगर, करिनगर, कुचबंद, लोहार, पांचाल साईकलगर, सक्का, सिकलगर, सिकलगर सिख, सिकलीगर सिख लोहार के नाम से भी जाना जाता है। यह समुदाय जो कभी हथियार बनाने और चमकाने के शिल्प में माहिर थे। गड्डीलोहार के रूप में जाने जाते इन सिखों को सिकलीगर शब्द गुरु गोविंद सिंह द्वारा लोहा देने वाले इन सिखों को दिया गया था जिन्होंने लोहगढ़ (आनंदपुर साहिब में लौह किला) को सिख सेना में बदल दिया था। मध्ययुगीन भारत में, सिकलीगरों की भाले, तलवार, ढाल और तीर के निर्माण के लिए बहुत मांग थी। दुनिया जिसे दमास्कस स्टील के नाम से जानती है, उसे भारतीय लोहारों द्वारा निर्मित किया गया था और लोहे के छररं के रूप में दमास्कस को भेजा गया था। दमास्कस लोहे का उपयोग कुछ बेहतरीन तलवारें बनाने में किया जाता है।

किसी ने नहीं ली पंजाब में रह रहे सिकलीगरों की सुध–

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति तथा ब्रिटिश सिख काउंसिल द्वारा सिकलीगर सिखों के उत्थान के लिए समय-समय पर कल्याण कार्य करने के दावे किए जाते रहे हैं लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है। वास्तव में मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के सिकलीगरों के लिए एसजीपीसी तथा ब्रिटिश काउंसिल आर्थिक सहायता देने के साथ साथ उनके बच्चों के लिए शिक्षा तथा स्वरोजगार आदि के लिए कार्य करती हैं लेकिन आज तक किसी ने भी पंजाब में रह रहे सिकलीगरों की सुध नहीं ली। संत बाबा देसू सिंह सिकलीगर सभा पंजाब के महासचिव कुलदीप सिंह ने मीडिया को बताया कि पंजाब में 35 से 40 हजार जबकि जालंधर में लगभग दो हजार सिकलीगर सिख रहते हैं। उन्होंने बताया कि आज तक किसी ने उन्हें किसी प्रकार की सहायता नहीं दी है। उन्होंने कहा कि जत्थेदार अवतार सिंह मक्कड़ जब एसजीपीसी के प्रधान थे तब उन्होंने एक बार 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहातया दी थी। उन्होंने कहा कि कुछ माह पूर्व आर्थिक सहायता के लिए वह लगभग 350 लोगों के फार्म एसजीपीसी कार्यालय लेकर गए थे लेकिन उन्होंने यह कहते हुए फार्म लेने से मना कर दिया कि आर्थिक सहायता देने की ऐसी कोई योजना नहीं।

शिक्षा से वंचित रह जाते हैं सिकलीगर समुदाय के बच्चे–

कुलदीप सिंह ने बताया कि सिकलीगर समुदाय के पास अपना कोई स्थाई ठिकाना नहीं होने के कारण उनके बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं और वह खुद भी कोई स्थाई कारोबार नहीं कर पाते। गड्डीलोहार सबसे पहले सिखों के संपर्क में आए।

हरियाणा की मोहिनी जांगड़ा ने चीन में जीता सिल्वर मेडल, लहराया तिरंगा

सोनीपत। चीन में 8 से 18 अगस्त तक आयोजित हुए वर्ल्ड पुलिस गेम्स में गांव शामड़ी की रहने वाली महिला पहलवान मोहिनी जांगड़ा ने कुश्ती में सिल्वर मेडल जीता। मेडल जीतने के बाद मोहिनी ने अपने परिजनों से बातचीत की। परिजनों के साथ पूरे गांव में खुशी का माहौल है। गांव शामड़ी की रहने वाली मोहिनी जांगड़ा का वर्ष 2015 में हरियाणा पुलिस में सेलेक्शन हुआ था। पुलिस में भर्ती होने के बाद भी मोहिनी पुलिस एकेडमी में कुश्ती का अभ्यास करती रही। जिसके चलते चीन में 8 से 18 अगस्त तक आयोजित हुए वर्ल्ड पुलिस गेम में मोहिनी ने 72 किलोग्राम में सिल्वर मेडल जीता, जबकि फरवरी 2019 में जयपुर में आयोजित हुई ऑल इण्डिया पुलिस प्रतियोगिता में इसी भार वर्ग में मोहिनी ने स्वर्ण पदक जीता था।

मोहिनी जांगड़ा बचपन में बॉक्सिंग चैंपियनशिप में राष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए मेडल जीते। विवि स्तर पर कुश्ती में प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में पदक जीतने के बाद कुश्ती में रुचि पैदा हो गई। एक के बाद एक प्रतियोगिता में मेडल अपने नाम करती चली गई। जांगड़ा ने हाल ही में चीन में आयोजित वर्ल्ड पुलिस गेम्स में देश का प्रतिनिधित्व किया और सिल्वर मेडल जीता। विश्व स्तर पर सिल्वर मेडल जीतने पर शामड़ी गांव में खुशी का माहौल है। गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा पहलवान मोहिनी जांगड़ा का स्वागत किया जाएगा।

पहवान मोहिनी उर्फ मोनी जांगड़ा के पिता सूबेसिंह जांगड़ा का कहना है कि चीन में 8 अगस्त से 18 अगस्त तक वर्ल्ड पुलिस गेम आयोजित किए गए थे। इसमें मोहिनी ने 72 किलोग्राम भारवर्ग में भी भाग लिया था। मोहिनी ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया और पदक जीता। पदक जीतने के बाद मोहिनी भी काफी खुश है। उससे फोन पर भी बातचीत हुई थी। उसने बताया कि जल्द ही वह भारत में पहुंचेगी। वहीं, ग्रामीण भी उनके पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं।

महिला विवि की तरफ से पहली बार लड़ी थी कुश्ती–

बीए करने के बाद मोहिनी ने महिला विवि, खानपुर कलां में बीपीएड में दाखिला लिया था। जब तक मोहिनी का बॉक्सिंग में ही आगे बढ़ने का लक्ष्य था। विवि में राष्ट्रीय स्तर पर पदक भी जीत चुकी थी। महिला विवि की कोच के कहने पर भिवानी में पहली बार कुश्ती में भाग लेने के लिए तैयार हो गई। गोल्ड मेडल जीतने के बाद कुश्ती में रूचि हो गई। प्रदेश से राष्ट्रीय और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

जनवरी में हुआ था मोहिनी का चयन–

मोहिनी तीन वर्ष पहले हरियाणा पुलिस में भर्ती हुई थी। इसके बाद भी उसने खेलों में भाग लेना नहीं छोड़ा। जनवरी माह में पुलिस की राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता हुई थी। जिसमें मोहिनी ने स्वर्ण पदक जीता था। उनके बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए वर्ल्ड पुलिस गेम्स के लिए चयन किया गया था। सूबेसिंह जांगड़ा का कहना है कि मोहिनी ने अपनी प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है।

ओलंपिक में गोल्ड दिलाने का है सपना–

मोहिनी जांगड़ा का सपना ओलंपिक में देश को गोल्ड दिलाना है। इसके लिए वह निरंतर मेहनत कर रही है।

दिनेश कुमार जांगिड़ 'सारंग'

पैसा तो हाथों का मैल
जब होगा तब होगा... !
नाच ले राधा नौ मन तेल
जब होगा तब होगा... !
क्यों देते हो दुनिया को दोष
मेहनत खुद को करनी है
मेहनत से किस्मत का मेल
जब होगा तब होगा... !!
नेताजी के वादे इरादे
तू कब समझेगा प्यारे
इन तिलों में नहीं है तेल
जब होगा तब होगा... !!!
पढ़ले लिखले बन जा कुछ
प्यार मोहब्बत फिर करना
अभी नहीं यह बस का खेल
जब होगा तब होगा... !!!!

जहां भी जाएं रखें साथ हम
अपनी पावन परिपाटी,
महकाती है जीवन को,
अपनी ही सौंधी माटी।
-सारंग

बलजीत सिंह 'बेनाम'
सम्प्रतिः संगीत अध्यापक
उपलब्धियाँः विविध मुशायरों व सभा संगोष्ठियों में काव्य पाठ, विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में रचनाएँ प्रकाशित, विभिन्न मंचों द्वारा सम्मानित, आकाशवाणी हिसार और रोहतक से काव्य पाठ
सम्पर्क सूत्रः 103/19 पुरानी कचहरी कॉलोनी, हाँसी-125033
मोबाईलः9996266210

गजल

किया जिसने तुझसे किनारा बहुत है
मोहब्बत यकीनन वो करता बहुत है
हँसी में उड़ा कर जमाने की बातें
तेरा नाम लिख कर मिटाया बहुत है
चलो चंद जुगनू ही हाथों पे रख लें
सुना है कि आगे अँधेरा बहुत है
हो तुमको मुबारक ये फिरकापरस्ती
मुझे तो वतन का सहारा बहुत है
वो अपनी हदें पार करता नहीं है
जिसे खूँ पसीने का थोड़ा बहुत है

ढह गया कोलकाता विश्वकर्मा समाज का मजबूत स्तम्भ

कोलकाता। भारतीय विश्वकर्मा समाज (प0बं0) के अध्यक्ष अच्छेलाल विश्वकर्मा हम सभी के बीच नहीं रहे। 24 अगस्त को हावड़ा के एक निजी अस्पताल में उन्होंने अन्तिम सांस ली। वह विगत कई साल से कैंसर से पीड़ित थे जिसका इलाज हावड़ा के एक अस्पताल में चल रहा था। हालाकि काफी दिनों से वह कुछ स्वस्थ दिख रहे थे। 23 अगस्त को अचानक तबियत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान 24 अगस्त को शाम 5 बजे उनका निधन हो गया।

उनके निधन की सूचना से शोक की लहर दौड़ गई। वह बहुत ही नेकदिल व प्रेमी स्वभाव के व्यक्ति थे। हावड़ा के लिलुआ में उन्होंने अपना घर और कारखाना बनाया है। विश्वकर्मा समाज में किये गये कार्यों के लिये उन्हें हमेशा याद किया जायेगा।

-फेसबुक से-

व्यक्ति के अन्तिम यात्रा का वर्णन

संकलनकर्ता- सुनील कुमार विश्वकर्मा

था मैं नींद में और
मुझे इतना सजाया जा रहा था....
बड़े प्यार से
मुझे नहलाया जा रहा था....
ना जाने था वो कौन सा
अजब खेल मेरे घर में....
बच्चो की तरह मुझे
कंधे पर उठाया जा रहा था....
था पास मेरा हर
अपना उस वक़्त....
फिर भी मैं हर किसी के मन से
भुलाया जा रहा था....
जो कभी देखते भी न थे
मोहब्बत की निगाहों से....
उनके दिल से भी प्यार मुझ पर
लुटाया जा रहा था....
मालूम नही क्यों हैरान था हर कोई
मुझे सोते हुए देख कर....
जोर-जोर से रोकर मुझे
जगाया जा रहा था....

कांप उठी मेरी रूह
वो मंजर देखकर....
जहाँ मुझे हमेशा के लिए
सुलाया जा रहा था....
मोहब्बत की इन्तहा थी
जिन दिलों में मेरे लिए....
उन्हीं दिलों के हाथों,
आज मैं जलाया जा रहा था!!!

इस दुनिया मे कोई किसी का हमदर्द नहीं होता, लाश को शमशान में रखकर अपने लोग ही पूछते हैं- और कितना वक़्त लगेगा?

-विशेष अनुरोध-

प्रिय बन्धुओं, सादर विश्वकर्माभिवादन!

आप सभी जानते हैं कि ''**विश्वकर्मा किरण**'' हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका प्रकाशन के 20वें वर्ष में चल रही है, जो समाज के अधिकांश समाचारों, विचारों और लेखों के साथ आप सभी के बीच एक पहचान बना चुकी है। पत्रिका ने समाज के हर छोटे-बड़े समाचारों, लेखकों के विचार, समाज के कवियों और साहित्यकारों को तवज्जो दिया है। अधिकांश पाठक और शुभचिन्तक यह अच्छी तरह जानते हैं कि समाचारपत्र अथवा पत्रिका प्रकाशन का कार्य बहुत ही कठिन है। प्रकाशन में बहुत खर्च आता है जिसका संकलन बहुत ही कठिनाई से हो पाता है, इन्हीं परिस्थितियों में कभी-कभार प्रकाशन बाधित भी हो जाता है। प्रकाशन बिना आप सभी के सहयोग के नहीं चल सकता। आप सभी से अनुरोध है कि सदस्यता के अलावा भी समय-समय पर यथासम्भव पत्रिका का आर्थिक सहयोग करते रहें जिससे प्रकाशन निर्बाध रूप से चलता रहे।

सहयोग राशि इस खाते में जमा करें-

Account Name	:	VISHWAKARMA KIRAN
Account No.	:	4504002100003269
Bank Name	:	PUNJAB NATIONAL BANK
Branch	:	SHAHGANJ, JAUNPUR (U.P.)
IFSC Code	:	PUNB0450400

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डी0आर0 विश्वकर्मा

जिला विकास अधिकारी

जनपद-सुल्तानपुर

मो0: 9140577830

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दिनेश वत्स विश्वकर्मा

राष्ट्रीय सचिव एवं प्रवक्ता

राष्ट्रीय सर्वजन विकास पार्टी

मो0: 9560197381

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पवन कुमार शर्मा

प्रवक्ता भौतिक विज्ञान

वरिष्ठ पत्रकार, लखनऊ

मो0: 9455705794, 9451150684

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

हरीश शर्मा

वरिष्ठ समाजसेवी

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

लोक जनशक्ति पार्टी (लेबर सेल)

मो0: 9312246993, 9811746993

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डा0 पी0सी0 विश्वकर्मा

परामर्शदाता (पैथोलाजी)

जिला चिकित्सालय

जनपद-सीतापुर

मो0: 7376064771

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश विश्वकर्मा

समीक्षा अधिकारी

उत्तर प्रदेश सचिवालय

लखनऊ

मो0: 9454411470

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दिनेश कुमार विश्वकर्मा

समीक्षा अधिकारी

उत्तर प्रदेश सचिवालय

लखनऊ

मो0: 9454413072

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्याम बाबू विश्वकर्मा

समीक्षा अधिकारी

उत्तर प्रदेश सचिवालय

लखनऊ

मो0: 9454413635

विश्वकर्मा बाडी बिल्डर

निकट- न्यू पापुलर सर्विस स्टेशन

रहनाल-आगरा रोड, भिवण्डी (महाराष्ट्र)

स्पेशलिस्ट- बस, ट्रक, कार्गो बाडी मैन्यूफैक्चरर्स इन स्टील एण्ड वूडेन

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

प्रोप्राइटर

नागेन्द्र माताफेर विश्वकर्मा

मो0: 9029921005, 8484921005

देशवासियों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ट्रैक्टर से चलित धान कूटने की आटो मैटिक मशीन

गाँव - गाँव घर - घर जा कर करे कुटाई

हॉफ डाला साईक्लोन मॉडल

भूसी टैंक मॉडल

हॉफ डाला मॉडल

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त, खादी ग्रामोद्योग आयोग से प्रमाणित
यू.पी.एग्रो द्वारा मान्यता प्राप्त सर्वश्रेष्ठ उत्पादन, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड
व उद्योग विभाग द्वारा 25 से 35% तक अनुदान प्राप्त करें।

विश्वकर्मा फाउन्ड्री वर्क्स मो0 9415139283

एन.टी.पी.सी. रोड कश्मिरिया चौराहा, टाण्डा-अम्बेडकर नगर (उ०प्र०)

Shreya Associates
www.shreyaassociates.com

* डिजाइनिंग
* ड्राइंग (नक्शा)
* इस्टीमेट
* वैल्युवेशन

सभी सिविल कन्स्ट्रक्शन वर्क
एक्सटीरियर व इन्टीरियर डिजाइन के साथ
एडवाइजर एडवोकेट्स

श्रेया एसोसिएट्स
धावा स्टेट, निकट मटियारी, लखनऊ-226028
Call: 9628545000 Whatsapp: 7897060124
E-mail: info@shreyaassociates.com
shreyaassociates913@gmail.com

सुमन मोटर्स
TATA MOTORS
सेल एण्ड सर्विस

टाटा मोटर्स के नये कार्मशियल एवं पैसेंजर कार के लिए सम्पर्क करें।
काई भी पुराना वाहन लायें टाटा मोटर्स का नया वाहन घर ले जायें।

जनप्रतिनिधि एवं सरकारी कर्मचारी/अधिकारी एवं किसान व्यापारी अन्य समस्त लोगों को विशेष सुविधाएं
बीमा सुविधा, फाईनेन्स सुविधा (बैंक द्वारा/टाटा मोटर्स द्वारा/अन्य प्राईवेट फाइनेन्स) के लिए सम्पर्क करें।

सुमन मोटर्स – एन.एच.–24, कचूरा महोली, जनपद – सीतापुर (उ.प्र.)

मोब. 9415574025, 9454669657, 9839678555, 9838334430

मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी, दैवज्ञ
ये पाँचो सर्वज्ञ

UNITED WE STAND
DIVIDED WILL FALL

विभाजित होकर गिरने से अच्छा है
संयुक्त होकर खड़े रहना

आईये विश्वकर्मा समाज को बेहतर से बेहतरीन बनाएं

विश्वकर्मा समाज डॉट कॉम से
जुड़ने के लिए आज ही रजिस्टर करें

www.VishwakarmaSamaj.com

विश्वकर्मा समाज
a generation awareness

अनिल विश्वकर्मा (फाउंडर)
09869866137

सभी विश्वकर्मा वंशियों को हार्दिक शुभकामनाएं

TM VEW Vishwakarma Engineering Works

ALL KIND OF NEW MACHINERY
TEXTILE MACHINES &
ALL VALUE ADDED FABRIC MACHINES MANUFACTURER

BSCIC NABCB ISO 9001 REGISTERED

Vijay R. Mistry
Mob.-9825154496

VISHWAKARMA ENGINEERING WORKS

Shearing Machine

Warr Center Cutting Machin

Warp Butta Cutting Machine

Roll Press Machine

Calendar Machine
& Bags Polish

Five Roll Calendar
& Iron Press Mac

-Office Address-

Plot No.64, Vinayak Chambers, Jawahar Road, Road No.– 4, Udhna Udhyog Nagar, Surat–394210 (Gujarat)
Factory-Plot No.B/1,73-74,Bhagwati Ind. Estate, Nr Navin Flourine Colony, Bhestan, Surat.
PHONE NO. : +91-261-2274380, CELL : +91-9825154496,
e-mail address : vijayr.mistry@yahoo.com website : http://vishwakarmaengineering.com
http://www.vishwakarmaengineeringwork.in/ http://www.vishwakarmaengineeringwork.com/
https://www.youtube.com/channel/UCdpT7D2K_DHwXGYnZ-Qo_Iw

विश्वकर्मा किरण हिन्दी साप्ताहिक
R.N.I. No.- UPHIN/2000/01157
जौनपुर, 21-28 अगस्त, 2019